कार्तिक कृष्ण - 1 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 95 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 29-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 स्पष्ट बहुमत के साथ फिर नरेन्द्र मोदी ही बनेंगे भारत के प्रधानमंत्री : राजनाथ सिंह

6 राइफलमैन कुलभूषण मांटा: निडर और प्रतिबद्ध सैनिक, कर्तव्य के लिए दिया बलिदान

7 दुनिया भारत को संकटमोचक के रूप में देख रही है : योगी आदित्यनाथ

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना

चेन्नई/भाषा। पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व कप मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को यहां खेले गए इस मैच में एक विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की विज्ञप्ति के अनुसार,''बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने निर्धारित समय में चार ओवर कम किए थे इसके बाद मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह जुर्माना लगाया।''

पंजाब में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने खालिस्तान समर्थक प्रतिबंधित समूह 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' के चार सदस्यों की गिरफ्तारी के साथ एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि उनके पास से छह पिस्तौल और 275 कारतूस बरामद किए हैं। यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, एक बड़ी सफलता में एसएएस नगर पुलिस ने एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर 'बब्बर खालसा इंटरनेशनल' (बीकेआई) संगठन के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। बीकेआई मॉड्यूल के सदस्यों को लक्षित हत्याओं का काम सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि मॉड्यूल को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी हरविंदर रिंडा का समर्थन हासिल था, जो उसे देश की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) की मदद से सहायता प्रदान कर रहा था।

वंदे भारत एक्सप्रेस के ब्रांड एम्बेसेडर बनेंगे दुनिया के लीजेंड्स क्रिकेटर

नई दिल्ली/वार्ता। भारतीय रेलवे की स्वदेशी तकनीक से बनी आधुनिकतम ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस ने दुनिया भर के क्रिकेटरों को आकर्षित किया है और लीजेंड्स कप ट्राफी टूर्नामेंट के प्रचार के लिए ये क्रिकेटर अब वंदे भारत एक्सप्रेस के भी ब्रांड एम्बेसेडर बन कर इसी ट्रेन से 16 शहरों में जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार एक नवंबर से ये क्रिकेटर लीजेंड कप ट्राफी के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में दिल्ली से ऊना, ऊना से अंबाला, अंबाला से जम्मू, जम्मू से दिल्ली होकर आगरा, आगरा से दिल्ली होकर देहरादून, देहरादून से दिल्ली होकर वाराणसी जाएंगे। इसके बाद मुंबई से गोवा, वापस मुंबई आकर सूरत, चेन्नई से विजयवाड़ा होकर विशाखापट्टनम, विशाखापट्टनम से सिकंदराबाद तथा हावड़ा से रांची की यात्राएं करेंगे।

29-10-2023 सूर्यास्त 5:43 बजे | 30-10-2023 सूर्योदय 6:01 बजे

BSE	NSE
63,782.80	19,047.25
(+634.65)	(+190.00)

सोना	चांदी
6,359 रु.	78,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

धर्मान्तरण

धर्म नहीं पूजा पहनावा,
नियम दिखावा या मंचन।
सत्ता ताकत भय से बदले,
कहलाते वे गठबंधन।
धर्म स्वयं धारित करता नर,
हो जिससे आनंदित मन।
जबरन धर्म बदलने वाले,
निज धर्मों के हैं दुश्मन।।

हम न सिर्फ रोजगार दे रहे हैं, बल्कि पूरी व्यवस्था को पारदर्शी भी बनाए हुए हैं : मोदी

विभिन्न विभागों के लिए देश भर में 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वरोजगार से लेकर नौकरियों के अवसर बढ़ाने की खातिर सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए शनिवार को कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार करना राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

मोदी शरद पूर्णिमा पर केंद्र सरकार की नौकरियों के नियुक्ति पत्र जारी करने के लिए 'रोजगार मेला' कार्यक्रम की

ताजा कड़ी में विभिन्न विभागों के लिए देश भर में 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र जारी करने के कार्यक्रम को डिजिटल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक जरूरी कदम है।

मोदी ने कहा, देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित होने वाले रोजगार मेले युवाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारी सरकार युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर मिशन मोड में काम कर रही है। उन्होंने कहा, हम न सिर्फ रोजगार दे रहे हैं, बल्कि पूरी व्यवस्था को पारदर्शी भी बनाए हुए हैं, जिससे नियुक्ति प्रक्रिया पर युवाओं का भरोसा बना हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की भर्ती प्रक्रिया को न सिर्फ अधिक सुचारु बनाया गया है, बल्कि कुछ परीक्षाओं को पुनर्व्यवस्थित भी किया गया है। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की भर्तियों में लगने वाला समय अब करीब-करीब आधा हो गया है। यानी सर्कुलर पत्र जारी होने से लेकर नियुक्ति पत्र देने तक के समय को काफी कम कर दिया है। इससे युवाओं के समय की बड़ी बचत हुई है।

एरिक्सन ने शुरू किया 'भारत 6जी' कार्यक्रम

नई दिल्ली/वार्ता। संचार उद्योग को महत्वपूर्ण उपकरण आदि उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी एरिक्सन ने आज अपने चेन्नई अनुसंधान एवं विकास केंद्र में भारत की 6जी अनुसंधान टीम के गठन के साथ अपने 'भारत 6जी' कार्यक्रम के लॉन्च की घोषणा की।

एरिक्सन के भारत में तीन अनुसंधान एवं विकास केंद्र चेन्नई, बेंगलुरु और गुड़गांव में हैं। इस 'भारत 6जी' टीम में रेडियो, नेटवर्क, एआई और क्लाउड में अनुभवी शोधकर्ता शामिल हैं जिन्हें दूरसंचार के भविष्य के लिए मौलिक समाधान विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। यह टीम स्वीडन और अमेरिका में एरिक्सन अनुसंधान टीमों के साथ मिलकर काम करेगी।

मुकेश अंबानी को जान से मारने की धमकी, 200 करोड़ की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। 'रिलायंस इंडस्ट्रीज' के चेयरमैन मुकेश अंबानी को शनिवार को एक अज्ञात व्यक्ति का ईमेल मिला, जिसमें 200 करोड़ रुपये नहीं देने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी गयी है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इससे पहले मुकेश अंबानी को एक ईमेल में 20 करोड़ रुपये नहीं देने पर गोली मारने की धमकी दी गयी थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अंबानी के सुरक्षा प्रभारी की शिकायत के आधार पर गामदेवी थाने में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस अधिकारी ने कहा, '' पहला ईमेल शुक्रवार को प्राप्त हुआ, जिसमें 20 करोड़ रुपये की मांग की गयी थी और इस मांग के पूरी न होने पर उन्हें गोली मार देने की धमकी दी गई थी। इस अज्ञात शख्स ने शनिवार को धमकी भरा एक दूसरा ईमेल भेजकर 200 करोड़ रुपये की मांग की।'' उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 387 (जबरन वसूली के लिए किसी व्यक्ति को जान से मारने या गंभीर चोट पहुंचाने का डर दिखाना) और 506 (2) (आपराधिक धमकी) के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ईमेल भेजने वाले व्यक्ति को पकड़ने के लिए अभियान भी शुरू किया गया है। मुंबई पुलिस ने मुकेश अंबानी और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भरा कॉल करने के आरोप में पिछले साल बिहार के दरभंगा से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था।

इजराइल-हमास संघर्ष संबंधी प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा भारत

आतंकवाद ''हानिकारक'' है और उसकी कोई सीमा नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। इजराइल-हमास संघर्ष संबंधी प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहे भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि आतंकवाद ''हानिकारक'' है और उसकी कोई सीमा, राष्ट्रीयता या नस्ल नहीं है तथा दुनिया को आतंकवादी कृत्यों को जायज ठहराने वालों की बातों को तवज्जो नहीं देनी चाहिए।

भारत संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'आम नागरिकों की सुरक्षा और कानूनी एवं मानवीय दायित्वों को कायम रखने' शीर्षक वाले जॉर्डन के मसौदा प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा।

इस प्रस्ताव में इजराइल-हमास युद्ध में तत्काल मानवीय संघर्ष-विराम और गाजा पट्टी में निर्बाध मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने उस प्रस्ताव को अपनाया, जिसमें तत्काल, टिकाऊ और निरंतर मानवीय संघर्ष-विराम का आह्वान किया गया है, ताकि शत्रुता समाप्त हो सके।

प्रस्ताव के पक्ष में 121 देशों ने मत किया, 44 सदस्य मतदान से दूर रहे और 14 सदस्यों ने इसके खिलाफ वोट दिया। प्रस्ताव में पूरी गाजा पट्टी में आम नागरिकों को आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं का तत्काल, निरंतर, पर्याप्त और निर्बाध प्रावधान करने की मांग की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की उप स्थायी प्रतिनिधि योजना पटेल ने मतदान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि ऐसी दुनिया में जहां मतभेदों और विवादों को बातचीत से हल किया जाना चाहिए, इस प्रतिष्ठित संस्था को हिंसा का सहारा लेने की घटनाओं पर गहराई से चिंतित होना चाहिए।

तमिलनाडु सरकार संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी कर रही है : भाजपा प्रतिनिधिमंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री डी. वी. सदानंद गौड़ा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चार-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को यहां तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि से मुलाकात की और कथित तौर पर पुलिस द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं पर अत्याचार एवं उत्पीड़न का उल्लेख करते हुए एक ज्ञापन सौंपा।

गौड़ा ने बाद में आरोप लगाया कि जब से द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सत्ता में आई है, तब से भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ लगभग 409 मामले दर्ज किए गए हैं और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी कर जन विरोधी सरकार चला रहे हैं।

गौड़ा ने राज्यपाल से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ भय का माहौल पैदा किया जा रहा है और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल में गौड़ा के अलावा सांसद सत्यपाल सिंह, आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डी. पुरंदेश्वरी और बेंगलुरु सेंट्रल के सांसद पी.सी. मोहन भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि भाजपा अतीत में केरल और पश्चिम बंगाल में इस तरह की रणनीति से प्रभावी तरीके से निपटी है और तमिलनाडु में भी पार्टी इन समस्याओं से उबर जाएगी। उन्होंने कहा, ''मैं स्टालिन से कहना चाहता हूं, कृपया हमारे कार्यकर्ताओं के साथ खेल न खेलें। सिर्फ इसलिए कि आप सत्ता में हैं, यह मत सोचिए कि आप पुलिस का इस्तेमाल कर सकते हैं और हमारे कार्यकर्ताओं के साथ दुर्व्यवहार कर सकते हैं और हमारी राजनीतिक गतिविधि को प्रतिबंधित कर सकते हैं... इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।''

भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने 111 पदक जीतकर इतिहास रचा

हांगझोउ/भाषा। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने शनिवार को इतिहास रचकर हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में अपने अभियान का अंत 111 पदक जीतकर किया जो किसी भी बड़े अंतरराष्ट्रीय बहु खेल टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है । भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य जीते । इससे पहले 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक हुए हांगझोउ एशियाई खेलों में भारत ने 107 पदक जीते थे । भारत पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा । चीन ने 521 पदक (214 स्वर्ण, 167 रजत और 140 कांस्य) जीते जबकि ईरान ने 44 स्वर्ण, 46 रजत और 41 कांस्य अपने नाम किये । जापान तीसरे और कोरिया चौथे स्थान पर रहा । पहले पैरा एशियाई खेल 2010 में ग्वांग्झू में हुए थे जिसमें भारत 14 पदक जीतकर 15वें स्थान पर रहा था । इसके बाद 2014 में भारत 15वें और 2018 में नौवे स्थान पर रहा ।

इजराइल ने गाजा पर हमले और तेज किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। इजराइल ने गाजा पट्टी में इंटरनेट और संचार के अन्य माध्यम बंद कर दिए हैं, जिससे वहां रहने वाले 23 लाख लोगों का आपस में तथा बाहरी दुनिया से संपर्क कट गया है। इजराइल ने शुक्रवार रात से गाजा पर हवाई और जमीनी हमले भी तेज कर दिए हैं।

इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलांट ने कहा कि ''गाजा में जमीन कांप गई'' और क्षेत्र के हमास शासकों के खिलाफ युद्ध एक नए चरण में प्रवेश कर गया है।

इजराइल की सेना ने कहा कि वह क्षेत्र में जमीनी अभियान ''व्यापक'' कर रही है। सेना की यह घोषणा इस बात का संकेत देती है कि वह गाजा पर संपूर्ण आक्रमण के नजदीक पहुंच रही है। उसने गाजा में हमास आतंकियों का पूरी तरह से सफाया करने का प्रण लिया है।

इजराइली सेना ने शनिवार को कुछ तस्वीरें जारी कीं, जिनमें गाजा के खुले इलाकों में टैंकों की टुकड़ियों को धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए दिखाया गया है, जिनमें से कई स्पष्ट रूप से सीमा के नजदीक हैं। सेना ने कहा कि युद्धक विमानों ने हमास की दर्जनों सुरंगों और भूमिगत बंकरों पर बमबारी की।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि लभगग 1700 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है।

इजराइल के हवाई हमलों के कारण हुए विस्फोट से गाजा सिटी के आसमान में लगातार चमक दिखाई देती रही। फलस्तीन के टेलीकॉम प्रदाता 'पालटेल' ने कहा कि बमबारी के कारण इंटरनेट, सेल्युलर और लैंडलाइन सेवाएं 'पूर्ण रूप से बाधित' हो गईं हैं। संचार ठप होने का मतलब यह है कि हमले में लोगों के मारे जाने और जमीनी कार्रवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाएगी। हालांकि, क्षेत्र में कुछ सैटेलाइट फोन काम कर रहे हैं।

गाजा एक सप्ताह से बिजली नहीं होने से अंधेरे में डूबा हुआ है। फलस्तीन के लोग भोजन और पेयजल की समस्या से भी जूझ रहे हैं।

गाजा के लोग उस वक्त दशहत में आ गए, जब मैसेजिंग ऐप अचानक बंद होने के कारण परिवारों के साथ उनका संपर्क कट गया और कॉल आने बंद हो गए।

इजरायल 'पागलपन' से बाहर निकले व गाजा पट्टी पर हमला बंद करे : एर्दोगन

अंकारा/वार्ता। तुर्कीये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने शनिवार को इज़राइल से 'पागलपन की स्थिति' से तुरंत बाहर निकलने और गाजा पट्टी पर हमले बंद करने का आह्वान किया। एर्दोगन ने एक्स पर लिखा,गाजा पर जारी इजरायल की बमबारी, जो कल रात और तेज हो गई, ने एक बार फिर महिलाओं, बच्चों और निर्दोष लोगों को निशाना बनाया, जिससे मानवीय संकट बढ़ गया है। इजरायल को तुरंत अपनी इस 'पागलपन की स्थिति' से बाहर निकलना चाहिए और हमलों को रोकना चाहिए। तुर्कीये के नेता ने इस्तांबुल में अतातुर्क हवाई अड्डे पर फिलिस्तीन के समर्थन में एक रैली की घोषणा की जिससे इस आह्वान को फैलाया जा सके और घोषणा किया जा सके कि इजरायल के उत्पीड़न के खिलाफ तुर्कीये फिलिस्तीनियों के साथ खड़ा है। इससे पहले शनिवार को, इजरायली रक्षा बलों ने कहा कि उसने उत्तरी गाजा पट्टी में रात भर गतिविधियां जारी रखी और सुरंगों और अन्य भूमिगत अवसंरचनाओं सहित 150 भूमिगत ठिकानों पर हमला किया।

हूदी आतंकवादियों के हमले के लिए ईरान जिम्मेदार : इज़रायल

तेल अवीव/वार्ता। इज़रायल ने आज आरोप लगाया कि यमन के हूदी आतंकवादियों ने इज़रायल को निशाना बना कर बीती रात एक क्रूज़ मिसाइल दागी जो मिस्र की सीमा में गिरी और इससे मिस्र के छह सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। इज़रायल सरकार ने आज यहां एक बयान में कहा कि ईरान की नीतियों द्वारा निर्देशित एवं उसके छद्म लड़ाकों द्वारा किये गये हमले की जिम्मेदारी ईरान की है और इज़रायल अपनी सुरक्षा के लिए हर संभव उपाय करेगा।

बयान में कहा गया, पिछली रात, 27 अक्टूबर को, यमन स्थित ईरानी प्रॉक्सी आतंकवादी संगठन हूदी द्वारा इज़राइल की ओर एक क्रूज़ मिसाइल दागी गई थी। मिसाइल इज़रायल की सीमा के पास मिस्र में ताबा पर गिरी और इसके परिणामस्वरूप मिस्र के 6 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। बयान में कहा गया है यह दूसरी बार है जब हौथिस ने इज़रायल के खिलाफ मिसाइलें दागी हैं। पिछली बार उन्हें एक अमेरिकी युद्धपोत ने निष्क्रिय कर दिया था।

इज़रायल ने कहा कि हूदी ईरानी सत्ता द्वारा प्रतिपादित नीति को लागू करते हैं, जिसका उद्देश्य इज़रायल और ईरान के बीच युद्ध भड़काना है।

मादक पदार्थ गिरोह में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर (हिप्र)/भाषा। मादक पदार्थ का कथित तौर पर अत्यधिक सेवन करने से एक विद्यार्थी की मौत हो जाने के कुछ दिनों बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में इस (मादक पदार्थ की) समस्या के उन्मूलन के लिए कठोर कदम उठाये जायेंगे।

मंत्री ने हिमाचल प्रदेश में मादक पदार्थ की लत के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता भी प्रकट की और राज्य सरकार से ठोस कदम उठाने का आह्वान किया, ताकि युवा पीढ़ी को मादक पदार्थ से दूर रखा जा सके।

ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि एनआईटी हमीरपुर में बुनियादी ढांचा विकास पर करोड़ों रुपये खर्च किये गये हैं और उसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों की श्रेणी में शुमार करना एनआईटी प्रबंधन के साथ-साथ प्रत्येक संकाय सदस्य और विद्यार्थी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थ गिरोह में चाहे कितने ही प्रभावशाली लोग क्यों न शामिल हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

यहां जारी एक बयान के अनुसार मंत्री ने कहा, ''मादक पदार्थ आम तौर पर जन-विरोधी और खासतौर पर छात्र-विरोधी है, ऐसे में समाज से उसका उन्मूलन किया जाना जरूरी है।''

पिछले सोमवार को मादक पदार्थ के कथित तौर पर अत्यधिक सेवन से एमटेक के प्रथम वर्ष के एक विद्यार्थी की मौत हो जाने के सिलसिले में एनआईटी हमीरपुर के पांच विद्यार्थियों, और बीएड के एक छात्र को गिरफ्तार किया गया।

'बंधक मुद्दे पर इजरायल से बात करने को तैयार है हमास'

गाजा/वार्ता। इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) की सशस्त्र शाखा अल-कसम ब्रिगेड ने शनिवार को कहा कि वह बंधक मुद्दे को सुलझाने के लिए इजरायल के साथ बातचीत करने के लिए तैयार है। ब्रिगेड के प्रवक्ता अबू ओबैदा ने टेलीविज़न संबोधन में कहा, अगर इज़रायल इस मुद्दे को एक बार में हल करना चाहता है, तो हम इसके लिए तैयार हैं। अगर वह प्रक्रिया को कई दौरों में विभाजित करना चाहता है, तो हम भी तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि बंधकों के मुद्दे को हल करने की कोशिश के लिए संपर्क किए गए थे, लेकिन इज़रायल ने वास्तविक गंभीरता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि समूह द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने की एकमात्र शर्त यह है कि इज़रायल सभी फिलिस्तीनी कैदियों को मुक्त कर दे।

संभावित बंधक रिहाई सौदे पर रिपोर्टों के जवाब में इज़रायल रक्षा बलों के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने शुक्रवार को रिपोर्टों को हमास द्वारा नियोजित मनोवैज्ञानिक आतंक करार दिया। आईडीएफ के अनुसार, गाजा में कुल 229 बंधकों को रखा गया है, जिनमें से अधिकांश नागरिक हैं।

सहज स्मृति योग

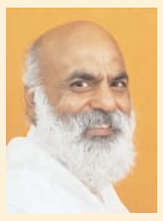

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, 'वर्णाश्रम व्यवस्था' को आप कैसे देखते हैं ? वर्तमान में इसकी क्या उपयोगिता है ?

उत्तर: हम इसको वैसे ही देखते हैं जैसी कि वह है। यदि सब इसे वैसी ही देख पाएँ जैसी कि वह है तो सब इसी निष्कर्ष पर आएँगे कि विश्व में वर्णाश्रम व्यवस्था की उपयोगिता तो शाश्वत है तब, उन्हें नकारात्मकता से मुक्ति मिल जाएगी। वर्ण मूलतः कोई सामाजिक समूह नहीं है। अनेक लोगों के एक जैसा व्यवहार करने से वह सामूहिक और व्यवस्थित होने जैसा दिखने लगता है इसलिए हम सब उसे वर्ण-व्यवस्था कहने लगते हैं और लोगों को वर्ण-समूह की तरह देखने लगते हैं।

हरेक मनुष्य का अपना शरीर ही शूद्र है। क्या शरीर के बिना सेवा संभव है ? हरेक का मन वैश्य है। जैसे वाणिज्य में क्रेता और विक्रेता के बीच परस्पर संतुलित व्यवहार न हो तो क्या व्यापार होगा ? ऐसे ही हरेक व्यक्ति के मन का भी संतुष्ट और संतुलित होना आवश्यक है। क्या संतुलित मन के बिना शांति या जीवन मुक्ति संभव है? हरेक का स्व या चरित्र ही क्षत्रिय है। शौर्य, ऐश्वर्य, साहस, त्याग इत्यादि सभी गुण व्यक्ति के चरित्र में ही तो होते हैं, न कि चंचल मन या स्थूल शरीर में। क्या व्यक्ति में इन गुणों के बिना सनातन मूल्यों का पालन करना उसके स्वभाव का अंग होना संभव है? और, आत्मज्ञान की अवस्था ही ब्राह्मी स्थिति कही जाती है इसलिए जो आत्मज्ञ है वही ब्राह्मण है। आत्मज्ञान के बिना क्या परम् सत्य का साक्षात्कार संभव है? इस तरह सनातन सहज दृष्टि से देखें तो पाएँगे कि सारे वर्ण हरेक व्यक्ति में ही होते हैं। ऐसे ही किस आयु-वर्ग में व्यक्तिश: हरेक को क्या-क्या करना सहज है इन्हीं गतिविधियों का विवरण आश्रम व्यवस्था है।

भाजपा ने कांग्रेस के 'डिफॉल्टर काल' कटाक्ष को लेकर किया पलटवार, कहा-लोग 2024 में विश्वास मत देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सरकार पर कांग्रेस के 'डिफॉल्टर काल' कटाक्ष को लेकर शनिवार को कहा कि यह दिलचस्प है कि भारत के फंसे हुए कर्ज (एनपीए) संकट के लिए जिम्मेदार रहे लोगों ने ही खुद के द्वारा पैदा की गई आपदा के समाधान पर सवाल उठाने का दुस्साहस किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इससे पहले आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देश की अर्थव्यवस्था को 'डिफॉल्टर काल' की तरफ ले जा रही है।

भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ प्रमुख अमित मालवीय ने आरोप का खंडन किया और 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सरकार की कोशिशों के चलते सार्वजनिक क्षेत्र की हर कंपनी अब फायदे में है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के 'सहयोगी' एवं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन इस बात का जिक्र करने में स्पष्ट रहे हैं कि फंसे हुए कई रिण (एनपीए) कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार (2004-2014) के समय के हैं। अर्थव्यवस्था पर सरकार के हमले का 2024 के लोकसभा चुनावों में लोगों के जवाब देने संबंधी खरगे की टिप्पणी पर मालवीय ने कहा, ''भारत के लोग निर्णायक कदम उठाने वाली भाजपा के लिए विश्वास मत के साथ जवाब देंगे, ना कि यह संकट पैदा करने वाले कांग्रेस और इसके साझेदारों को वोट देकर।''

मालवीय ने आरोप लगाया कि बैंकों पर कर्ज देने का काफी राजनीतिक दबाव था और वे इतने लापरवाह थे कि उन्होंने कांग्रेस की करीबी अपात्र कंपनियों और व्यापारियों को हजारों करोड़ रुपये का ऋण दिया। उन्होंने कहा कि इन ऋणों को विभिन्न 'अकाउंटिंग' तिकड़म का इस्तेमाल करते हुए छिपा कर रखा गया, और (नरेन्द्र) मोदी सरकार द्वारा 2015 में संपत्ति गुणवत्ता समीक्षा शुरू कराये जाने के बाद इसका खुलासा हो पाया। उन्होंने कहा, ''हमने इसे छिपाने के लिए कांग्रेस द्वारा अपनाई गई तरकीब के बजाय बहादुरी और ईमानदारी से इसका मुकाबला किया तथा गैर निष्पादित परिसंपत्ति संकट का हल किया।''

मालवीय ने कहा, ''ऋण को बट्टे खाते में डालना महज अकाउंटिंग और नियामक जरूरत है, कर्ज माफी नहीं।'' उन्होंने कहा, ''बैंक वसूली के लिए 'डिफॉल्ट' के मामलों को कानूनी मंच पर ले जाते हैं। बैंकों ने पिछले नौ वर्षों में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वसूली की है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का लाभ 2013-14 में 36,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022-23 में 1.04 लाख करोड़ रुपये हो गया है। भाजपा नेता ने कहा,''इसलिए, बेबुनियाद आरोप लगाने से पहले, कांग्रेस को खुद के द्वारा छोड़ी गई विरासत पर गौर करना चाहिए।''

खरगे ने एक खबर का हवाला देते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, आपकी सरकार भारत की अर्थव्यवस्था को 'डिफॉल्टर काल' की ओर ले जा रही है! अपने पूंजीपतियों को 'मुफ्त की रेवड़ियां' बांटना और आम लोगों की बचत को नष्ट करना आपका एकमात्र एजेंडा रहा है।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या यह सच नहीं है कि मार्च 2019 के बाद से जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों का बकाया 100 करोड़ रुपये प्रतिदिन बढ़ गया है? क्या आपकी सरकार ने नौ वित्तीय वर्षों में 14.56 लाख करोड़ रुपये का एनपीए माफ नहीं किया है?''

आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड के आदिवासियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने शनिवार को आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन जैसे आदिवासी मुख्यमंत्री ने झारखंड में आदिवासियों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।

राज्य में अगले विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की भविष्यवाणी करते हुए नड्डा ने एक रैली में कहा कि सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार ''कई घोटालों में शामिल'' है। उन्होंने दावा किया, ''लोगों का उत्साह दिखाता है कि उन्होंने यहां फिर से कमल खिलाने का संकल्प ले लिया है। सोरेन के नेतृत्व में भ्रष्टाचार तेजी से बढ़ा है। झारखंड के मुख्यमंत्री वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं।''

उन्होंने आरोप लगाया, ''हेमंत सोरेन जैसे आदिवासी मुख्यमंत्री ने राज्य में आदिवासियों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है।'' भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि राज्य सरकार भूमि, बालू और अन्य माफियाओं को संरक्षण दे रही है, यही वजह है कि सोरेन सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीआई और अन्य एजेंसियों की राडार पर है। उन्होंने आरोप लगाया, ''सोरेन सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है।''

सीमापार कारोबार को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकारों में सहयोग की जरूरत : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को जी-7 व्यापार मंत्रियों की बैठक में शामिल देशों से सीमापार व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए एक नियामकीय ढांचे पर सहयोग बढ़ाने का अनुरोध किया। जी-7 समूह के सदस्य देशों के व्यापार मंत्रियों की बैठक जापान के ओसाका में आयोजित हुई है। जापान ने अपनी अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, चिली, इंडोनेशिया और केन्या को भी आमंत्रित किया था।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस बैठक में गोयल ने सरकारों से आपूर्ति शृंखलाओं की आवाजाही को आसान बनाने और सीमापार व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए एक नियामकीय ढांचे पर सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी और भू-राजनीतिक घटनाओं ने मौजूदा आपूर्ति शृंखलाओं की कमजोरियां उजागर की हैं जिससे जिंसों की कीमतों और वैश्विक मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल और हमास के बीच संघर्ष और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं दुनिया भर में माल के प्रवाह को प्रभावित कर रही हैं। इन कारणों से भारत के निर्यात पर भी असर पड़ा है। गोयल ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी), महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में निवेश और आपूर्ति शृंखलाओं के नवाचार एवं डिजिटलीकरण की जरूरत पर भी जोर दिया।

बीएसएनएल की 4जी सेवा दिसंबर में शुरू, जून तक देश भर में पेशकश : चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल की इस साल दिसंबर में 4जी सेवा की शुरुआत की योजना है। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पी के पुरवार ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि छोटे स्तर पर शुरुआत करने के बाद कंपनी इसे अखिल भारतीय स्तर पर अगले साल जून तक लागू कर देगी।

पुरवार ने यहां 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस' में पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि बीएसएनएल की योजना जून के बाद 4जी सेवा को 5जी सेवा में बदलने की है। उन्होंने कहा, बीएसएनएल 4जी सेवा दिसंबर में पंजाब में शुरू होने के लिए तैयार है। हमने 200 जगहों पर इस नेटवर्क के लिए जरूरी कदम पहले ही उठा लिए हैं। हम पंजाब में इस तरह की 3,000 जगहें स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं। पुरवार ने कहा कि बीएसएनएल अपना नेटवर्क प्रति महीने की दर से बढ़ाकर धीरे-धीरे इसे 15,000 जगह तक ले जाएगी। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 4जी सेवा को अगले साल जून तक पूरी तरह लागू करने का है। इसके बाद हम 5जी सेवाओं की पेशकश का रुख करेंगे। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी टीसीएस और सार्वजनिक क्षेत्र की आईटीआई को बीएसएनएल से 19,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं जिसके तहत 5जी सेवाओं में बदली जा सकने लायक 4जी नेटवर्क स्थापित करने हैं। पुरवार ने कहा कि 4जी सेवा पूरी तरह शुरू हो जाने के बाद बीएसएनएल के पास 5जी सेवा के लिए पर्याप्त स्पेक्ट्रम उपलब्ध हैं।

दाम बढ़ाकर छूट देने के ई-कॉमर्स कंपनियों के तरीके पर रोक लगाए सरकार : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार और नियामकीय एजेंसियों को ई-कॉमर्स क्षेत्र में व्याप्त अनुचित कारोबारी तौर-तरीकों पर लगाम लगाने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। शनिवार को एक रिपोर्ट में यह सुझाव दिया गया। थिंक टैंक कट्स इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ई-कॉमर्स मंचों पर उत्पादों के दाम बढ़ाकर छूट की पेशकश करने का अनुचित तरीका अपनाया जा रहा है। इससे ग्राहकों के मन में उत्पाद की खरीद पर बचत होने का भ्रम पैदा होता है जबकि असल में उन उत्पादों की वास्तविक कीमत कम ही होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ई-कॉमर्स मंचों की तरफ से समय-समय पर बिक्री सेल के आयोजन पर पूरी तरह रोक लगाने के बजाय सरकार को उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण की दिशा में सख्ती बरतनी चाहिए। इससे सभी बाजार प्रतिभागियों के लिए समान अवसर मुहैया कराए जा सकेंगे।

भारत में ई-कॉमर्स के संदर्भ में वाणिज्य की स्थिति पर जारी रिपोर्ट कहती है कि एक निष्पक्ष एवं टिकाऊ ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी को बढ़ावा देने के लिए जरूरी है कि विक्रेताओं के पास अपने उत्पादों की कीमतें तय करने की स्वायत्तता हो। इसके मुताबिक, विक्रेताओं पर अतिरिक्त छूट का बोझ डालने से वित्तीय तनाव बढ़ता है और मुनाफे के मार्जिन पर भी असर पड़ता है। रिपोर्ट में भारी छूट देने और प्रतिस्पर्द्धा को खत्म करने के लिए जानबूझकर कीमत को बहुत कम रखने के बीच फर्क करने का सुझाव भी दिया गया है।

गायक निकी बर्न भारत के तीन शहरों में कार्यक्रम करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयरलैंड के संगीत समूह वेस्टलाइफ के गायक निकी बर्न ने कहा है कि वह भारत की यात्रा पर आ रहे हैं, जिस दौरान वह देश के तीन शहरों में कार्यक्रम करेंगे। बर्न, कियां इगन, शेन फिलान और मार्कस फीहिली वाला यह वैश्विक पॉप बैंड 'द वाइल्ड ड्रीम्स' टूर के भारत चरण के तहत मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली में सजीव प्रस्तुति देगा। बर्न ने कहा कि संगीत समूह प्रशंसकों के समक्ष उन गीतों पर प्रस्तुति देगा जिसने उन्हें 1990 के दशक में लोकप्रिय बनाया था जिसमें ''यू रेज मी अप'', ''फ्लाइंग विदआउट विंग्स'', ''इफ आई लेट यू गू'', ''अपटाउन गर्ल'' और ''माय लव'' जैसे गीत शामिल हैं।

बर्न ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, ''हमारे 25 साल पूरे होने के करीब हैं लेकिन हमने इस टूर पर यह देखा है कि जब प्रशंसक कार्यक्रमों में आते हैं तो हम सभी कुछ गीतों के साथ अपनी किशोरावस्था के दिनों को याद कर लेते हैं।''

लक्ष्मी पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को गुवाहाटी के एक मंदिर में लक्ष्मी पूजा के अवसर पर भक्त दीये जलाते हुए।

अडाणी के बंदरगाहों पर कांग्रेस ने कहा

यह है मित्रवादी पूंजीवाद का सटीक मामला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बंदरगाह संचालन में अडाणी समूह की बढ़ती हिस्सेदारी से संबंधित एक खबर का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि यह न सिर्फ 'मित्रवादी पूंजीवाद' का एक सटीक मामला है, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा हो सकता है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि पार्टी की 100 सवालों की शृंखला हम अडाणी के हैं कौन के तहत उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल पूछे थे कि कैसे अडाणी बिना किसी प्रतिस्पर्धी बोली में शामिल हुए भारत के सबसे बड़े बंदरगाह संचालक बन गए। रमेश ने एक अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित खबर का हवाला देते हुए दावा किया कि 'मोदी द्वारा निर्मित एकाधिकार' के रणनीतिक प्रभाव के बारे में सरकार के उच्चतम स्तर पर बढ़ती चिंताओं को यह रिपोर्ट उजागर करती है।

कांग्रेस नेता के अनुसार, पोत परिवहन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि इस प्रभुत्व के दुरुपयोग का वास्तविक खतरा है। रमेश ने कहा, पिछले एक दशक में अडाणी ही हिस्सेदारी कुल बंदरगाहों के यातायात में 10 प्रतिशत से 24 प्रतिशत हो गई है और आज (समूह) भारत के सरकारी स्वामित्व वाले 'प्रमुख बंदरगाहों' के बाहर 57 प्रतिशत कॉर्गो को नियंत्रित करता है। उन्होंने आरोप लगाया, 'प्रधानमंत्री ने एक महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र का नियंत्रण अपने उस करीबी दोस्त को सौंपकर खुद को और भारत को वैश्विक स्तर पर हंसी का पात्र बना दिया है जिस पर गंभीर आरोप हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह न सिर्फ मित्रवादी पूंजीवाद का एक सटीक मामला है, बल्कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा हो सकता है। अमेरिकी कंपनी 'हिंडनबर्ग रिसर्च' द्वारा अडाणी समूह के खिलाफ 'अनियमितताओं' और स्टॉक मूल्य में हेरफेर का आरोप लगाए जाने के बाद से कांग्रेस इस कारोबारी समूह पर निरंतर हमलावर है और आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराए जाने की मांग कर रही है।

मिजोरम में कांग्रेस बनाएगी अगली सरकार : लालसावता

आइजोल/भाषा। मिजोरम में अगली सरकार कांग्रेस की बनने का दावा करते हुए पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष लालसावता ने शनिवार को जोर देकर कहा कि सत्ता में आने के बाद उनकी पार्टी एक लाख लोगों के लिये रोजगार का सृजन करेगी। आइजोल पश्चिम 3 विधानसभा के मौबॉक इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लालसावता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को केंद्र और राज्य में उसकी सहयोगी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) को तुरंत सत्ता से हटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'राज्य के विभिन्न हिस्सों से आ रही खबरों को देखकर यह निश्चित है कि कांग्रेस, ईश्वर और लोगों की मदद से सत्ता में आएगी।' लालसावता ने कहा कि राज्य में सत्ता में आने पर कांग्रेस एक लाख रोजगार का सृजन करेगी। चुनावी घोषणापत्र में अपनी पार्टी द्वारा किए गए वादों में से एक का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस उस प्रत्येक परिवार को 15 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराएगी, जिसका सदस्य नियमित सरकारी कर्मचारी नहीं है।

पिछड़ा वर्ग की जातीय गणना क्यों नहीं कराती भाजपा : ओवैसी

हैदराबाद/भाषा। 'ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन' (एआईएमआईएम) अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कहा कि अगर उसे पिछड़े वर्ग की इतनी ही चिंता है, तो वह उनकी ''जाति आधारित गणना'' क्यों नहीं कराती। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा था कि अगर भाजपा तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव में सत्ता में आती है, तो वह मुख्यमंत्री पद के लिए पिछड़ा वर्ग से किसी नेता का चयन करेगी।

शाह के इस बयान के बाद ओवैसी ने शुक्रवार रात को जहीराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा और कांग्रेस को जुड़वां भाई-बहन बताया और दावा किया कि ये दोनों ही दल तेलंगाना विधानसभा चुनाव में सफल नहीं होंगे।

भारत की विदेश नीति अमेरिकी साम्राज्यवाद के अधीनस्थ सहयोगी के रूप में आकार ले रही : माकपा, भाकपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने शनिवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि गाजा में संघर्ष विराम का आह्वान करने वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव पर मतदान से भारत का दूर रहना ''स्तब्धकारी'' है और इससे पता चलता है कि भारत की विदेश नीति अब ''अमेरिकी साम्राज्यवाद के अधीनस्थ सहयोगी'' होने के रूप में आकार ले रही है।

माकपा महासचिव सीताराम येचुरी और भाकपा महासचिव डी. राजा ने 'गाजा में नरसंहार करने वाले आक्रमण को रोकें' शीर्षक वाले बयान में कहा कि भारत का यह कदम फलस्तीनी मुद्दे को लेकर भारत के लंबे समय से जारी समर्थन को निष्फल कर देता है। उन्होंने कहा, ''यह चौंकाने वाली बात है कि भारत 'आम नागरिकों की सुरक्षा और कानूनी एवं मानवीय दायित्वों को कायम रखने' शीर्षक वाले उस प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा, जिसमें गाजा में जारी इजराइली हमलों के मद्देनजर मानवीय संघर्ष विराम का आह्वान किया गया और जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भारी बहुमत पारित किया।''

बयान में कहा गया, ''भारी बहुमत से अपनाए गए प्रस्ताव पर मतदान से भारत का अनुपस्थित रहना यह दर्शाता है कि अमेरिकी साम्राज्यवाद के अधीनस्थ सहयोगी होने के रूप में और अमेरिका-इजराइल-भारत साठगांठ को मजबूत करने के लिए (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों से भारतीय विदेश नीति किस हद तक आकार ले रही है। यह कदम फलस्तीनी मुद्दे के लिए भारत के लंबे समय से जारी सहयोग को निष्प्रभावी बना देता है।''

दोनों वामपंथी दलों ने कहा कि जैसे ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस प्रस्ताव को पारित किया, इजराइल ने ''गाजा पट्टी में नरसंहार करने वाले हवाई और जमीनी हमले'' तेज कर दिए। उन्होंने तत्काल युद्धविराम का आह्वान करते हुए कहा कि इजराइल ने गाजा में संचार के सभी माध्यम काट दिए हैं, जहां 22 लाख फलस्तीनी रहते हैं। बयान में कहा गया, ''संयुक्त राष्ट्र महासभा के भारी जनादेश का सम्मान करते हुए तत्काल संघर्षविराम होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र को 1967 से पहले की सीमा के साथ दो-राष्ट्र समाधान और पूर्वी यरुशलम को फलस्तीन की राजधानी घोषित करने के लिए सुरक्षा परिषद के जनादेश को लागू करने के मकसद से खुद को फिर से सक्रिय करना होगा।''

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 193 सदस्यों ने 10वें आपातकालीन विशेष सत्र में जॉर्डन द्वारा पेश किए गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान किया और इसे बांग्लादेश, मालदीव, पाकिस्तान, रूस और दक्षिण अफ्रीका सहित 40 से अधिक देशों द्वारा सह-प्रायोजित किया गया। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, जापान, यूक्रेन और ब्रिटेन मतदान से दूर रहे।

केरल सहकारी संशोधन विधेयक पर राज्यपाल की आशंकाएं दूर की गई : मंत्री

कोट्टयम (केरल)/भाषा। केरल सरकार ने कहा कि उसने विधानसभा से पारित केरल सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक को लेकर राज्यपाल आरिफ मो. खान द्वारा मांगी जानकारी पर विस्तृत जवाब दे दिया है। राज्य के सहकारी मंत्री ने दावा किया कि विधेयक को लेकर उत्पन्न अनिश्चितता का माहौल अब समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा, ''राज्यपाल द्वारा जल्द ही विधेयक को मंजूरी दिए जाने की उम्मीद है।''

जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेलगावी में शनिवार को महर्षि वाल्मिकी जयंती के दौरान प्रस्तुति देते लोक कलाकार।

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान : दक्षिण रेलवे ने 2000 से अधिक स्वयंसेवकों के साथ तीन अमृत कलशयात्रा विशेष ट्रेनें चलाईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे ने तीन विशेष अमृतकलशयात्रा ट्रेनों के स्वयंसेवकों की सुविधा के लिए तिरुवनंतपुरम, डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल, चेन्नई एग्मोर, एर्नाकुलम जंक्शन और अन्य मार्ग स्टेशनों पर विशेष व्यवस्था की है। 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान के हिस्से के रूप में, अमृत कलशयात्रा के स्वयंसेवकों की सुविधा के लिए, दक्षिणी रेलवे ने कुल तीन विशेष ट्रेनें संचालित की। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा यह ट्रेन तिरुवनंतपुरम से नई दिल्ली सफदरजंग तक, तांबरम से दिल्ली सफदरजंग तक और एर्नाकुलम से नई दिल्ली सफदरजंग तक जाएंगी।

विशेष ट्रेन संख्या 06079 ने तिरुवनंतपुरम से 229 प्रतिभागियों को लेकर 27 अक्टूबर को 13 बजे रवाना होकर 28 अक्टूबर को सुबह 10.20 बजे डॉ. एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंची। डॉ.एमजीआर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर कुल 727 प्रतिभागी इस विशेष ट्रेन में सवार हुए और ट्रेन 13:20 बजे दिल्ली सफदरजंग की ओर रवाना हुई। अमृत कलश स्वयंसेवकों की सुविधा के लिए डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल में विशेष व्यवस्था की गई थी। विशेष ट्रेन संख्या 06081 आज 28 अक्टूबर सुबह 10.00 बजे एर्नाकुलम से 190 अमृत कलश के साथ रवाना हुई और शोरानूर, मंगलूरु और वडोदरा होते हुए 30 अक्टूबर को दिल्ली सफदरजंग पहुंचेगी। विशेष ट्रेन संख्या 06085 ताम्बरम् से 28 अक्टूबर को 15.00 बजे रवाना हुई और चेन्नई एग्मोर पहुंचने पर, 566 अमृत कलश स्वयंसेवक दिल्ली सफदरजंग की अपनी आगे की यात्रा के लिए विशेष ट्रेन में सवार हुए।

मेरी माटी मेरा देश अभियान : 'मेरी माटी-मेरा देश' अभियान भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव समारोह का समापन कार्यक्रम है। यह अभियान संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित किया जा रहा है। नेहरू युवा केंद्र संगठन ने अमृत कलश यात्रा स्वयंसेवकों की सुविधा के लिए रेलवे के साथ घनिष्ठ समन्वय किया। इस आयोजन के दौरान, हमारे देश की एकता और विविधता का प्रतीक एक विशाल कलश, देश के हर कोने से एकत्र की गई पवित्र मिट्टी को मिश्रित करने के लिए रखा जाएगा और समारोहपूर्वक कर्त्तव्यपथ के पास अमृतवाटिका (अर्थात् अमृत उद्यान) में स्थापित किया जाएगा। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली में विशेष ट्रेनों को 'अमृत कलशयात्रा' नाम दिया गया पवित्र मिट्टी ले जाने वाले प्रतिभागियों को नई दिल्ली तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। आजादी का अमृत महोत्सव समारोह में समापन होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए लगभग 20,000 स्वयंसेवक मिट्टी से भरे कलश के साथ दिल्ली पहुंचेंगे।

आम चुनाव तक तमिलनाडु के राज्यपाल को न बदलें : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एम.के.स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध' करते हुए तंज कसा कि वे राज्यपाल आर.एन. रवि को कम से कम 2024 के लोकसभा चुनाव तक उन्हें उनके पद से स्थानांतरित न करें। सत्तारूढ़ द्रमुक के द्रविड़ मॉडल शासन की आलोचनाओं को लेकर राजभवन पर हमला करने के बाद मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने प्रधानमंत्री से यह 'अनुरोध' किया।

गौरतलब है कि द्रमुक सरकार और राजभवन कई मुद्दों पर आमने-सामने हैं, जिनमें सनातन धर्म, राज्य विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देना और एक गिरफ्तार मंत्री को बिना विभाग के कैबिनेट में बनाए रखना शामिल है। द्रमुक और उसके सहयोगी भी राज्यपाल को वापस बुलाने की मांग करने लगे और मांग को दबाने के लिए संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन भी किया। स्टालिन ने शुक्रवार को यहां द्रमुक पार्टी के एक पदाधिकारी के परिवार में एक शादी के आयोजन में कहा, हमारे पास बहुत सारे फायदे हैं। श्री रवि जो कहना चाहते हैं वह कह सकते हैं, लेकिन तमिलनाडु के लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेंगे। हम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जो साझा किया जा रहा है उसका अनुसरण कर रहे हैं। स्टालिन ने राज्यपाल पर स्पष्ट रूप से कटाक्ष करते हुए कहा,द्रविड़ विचारधारा की सफलता इस तथ्य में निहित है कि इसने ऐसे लोगों को इसके बारे में बात करने के लिए प्रेरित किया है।

अपने भाषण को समाप्त करने से पहले, स्टालिन ने द्रमुक कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपनी सतर्कता कम न करें, कड़ी मेहनत करें और एकजुट रहें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके नेतृत्व वाला मोर्चा पुडुचेरी की एक सीट समेत सभी 40 सीटें जीतें।

मालदीव में पकड़े गए मछुआरों की रिहाई के लिए स्टालिन ने जयशंकर को लिखा पत्र

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने शनिवार को विदेश मंत्री एस.जयशंकर से मालदीव तट रक्षक द्वारा हिरासत में लिए गए राज्य के 12 मछुआरों और उनकी नौकाओं की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए राजनयिक चैनलों के माध्यम से कदम उठाने का आग्रह किया। डॉ. जयशंकर को लिखे अर्ध-आधिकारिक पत्र में श्री स्टालिन ने कहा कि मछुआरे एक अक्टूबर को थूथुकुडी जिले के थारुवैकुलम फिश लैंडिंग सेंटर से एक मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नाव में मछली पकड़ने के लिए समुद्र में गए थे। उन्होंने कहा कि बताया गया है कि उन्हें 23 अक्टूबर को थिनाधू द्वीप के पास मालदीव तटरक्षक बल ने पकड़ लिया है। उन्होंने कहा, ''इस संबंध में मैं आपसे उचित राजनयिक चैनलों के माध्यम से हिरासत में लिए गए मछुआरों और उनकी मछली पकड़ने वाली नाव की जल्द से जल्द रिहाई सुनिश्चित करने के लिए मालदीव के अधिकारियों के साथ मामला उठाने का अनुरोध करता हूं।''

बदमाशों ने फिल्म के सेट पर घुसकर हीरोइन से की बदसलूकी

चिक्कमगलुरु। कर्नाटक के चिक्कमगलुरु जिले में शनिवार को बदमाशों का एक समूह कथित तौर पर फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर घुस गया और एक्ट्रेस के साथ दुर्व्यवहार किया। सूत्रों के मुताबिक, अभिनेत्री शुभा पूंजा अभिनीत कन्नड़ फिल्म 'कोरगज्जा' के लिए जब गाना फिल्माया जा रहा था, तभी तेज धार वाले हथियारों के साथ बाइक सवार बदमाश शूटिंग एरिया में घुस आए। उन्होंने कथित तौर पर पूंजा के साथ दुर्व्यवहार किया, उसका हाथ पकड़ा और उसे खींचने की भी कोशिश की। घटना के बाद शूटिंग रोक दी गई। यह घटना कुदुरेमुखा थाना क्षेत्र की है, लेकिन फिल्म क्रू ने अभी तक इस संबंध में औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। फिल्म के निर्देशक सुधीर अट्टावारा ने बताया उन्होंने लाखों रुपये खर्च करके सेट बनाने से पहले संबंधित अधिकारियों से आवश्यक अनुमति ली थी।

तमिलनाडु में 6 करोड़ 11 लाख मतदाता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार, तमिलनाडु में 6.11 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। ईसीआई ने तमिलनाडु की एकीकृत मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की। इसमें बताया गया कि 6.11 करोड़ से अधिक मतदाताओं में 3,10,54,571 महिलाएं, 3,00,68,610 पुरुष और 8,016 तीसरे लिंग के लोग शामिल हैं। यह संख्या इस मई में प्रकाशित मसौदा सूची से कुछ हजार कम है।

एकीकृत ड्राफ्ट रोल सभी जिलों में निर्दिष्ट स्थानों (ज्यादातर मतदान केंद्रों, जो स्कूल भवन हैं) में प्रकाशित किए गए हैं और ईसीआई पोर्टल पर भी हैं।

ड्राफ्ट रोल जारी करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी सत्यब्रत साहू ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा दो प्रतियां मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सौंपी जाएंगी। प्रकाशित सूची के अनुसार, चेंगलपट्टू जिले के शोलिंगनल्लूर विधानसभा क्षेत्र में 6,52,065 के साथ राज्य में सबसे अधिक मतदाता हैं, जिनमें 3,25,279 महिलाएं और 110 तीसरे लिंग के मतदाता शामिल हैं। नागापट्टिनम जिले के किलवेलूर में सबसे कम 1,69,030 मतदाता हैं, जिनमें 85,591 महिलाएं और तीन तीसरे लिंग के लोग शामिल हैं। ड्राफ्ट रोल के अनुसार, कुल 137 मतदाता 120 वर्ष से अधिक आयु के हैं, 381 मतदाता 110 से 119 वर्ष के बीच हैं और 15,788 100-109 आयु वर्ग के हैं।

श्री साहू ने कहा कि 2.12 लाख से अधिक लोग 90-99 आयु वर्ग में हैं, लगभग 12.81 लाख लोग 80-89 आयु वर्ग में हैं और 39.12 लाख लोग 70-79 आयु वर्ग में हैं।

'लोकतांत्रिक देश में कोई भी प्रधानमंत्री बन सकता है, पलानीस्वामी क्यों नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुदरै। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के वरिष्ठ नेता सेल्लूर के राजू ने पार्टी के महासचिव इडापड्डी के पलानीस्वामी के लिए प्रधानमंत्री पद की वकालत की और सवाल किया कि वह प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन सकते।

राजू ने पार्टी की पूर्व सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तेज हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा तमिलनाडु में अचानक उभरे नेता को प्रोत्साहित कर रही है। राजू ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में कोई भी प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने सवाल किया, ''इडापड्डी के पलानीस्वामी प्रधानमंत्री क्यों नहीं बन सकते। उनके पास पूरी योग्यता है।'' अन्नाद्रमुक नेता ने शुक्रवार देर रात यहां पार्टी के 52वें वर्षगांठ समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी को तब ही नाकार दिया था, जब दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता ने नेतृत्व का मुद्दा उठाया था। राजू ने कहा, ''उन्होंने लोगों से महिला और मोदी के बीच चुनाव करने को कहा था, तो लोगों ने अम्मा (जयललिता को लोग सम्मान से अम्मा पुकारते थे) को चुना था।'' उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी तमिलनाडु इकाई में ''उपद्रवी तत्वों' और ''फास्ट फूड नेताओं' को प्रोत्साहित किया है।

चेन्नई में भाकपा कार्यालय पर पथराव करने के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

चेन्नई। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के यहां स्थित कार्यालय पर चार लोगों ने पथराव किया और बोतलें फेंकी, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। भाकपा ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों ने शुक्रवार रात उसके कार्यालय पर हमला किया। पार्टी के मुताबिक, शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। पार्टी ने एक बयान में कहा कि पुलिस ने छह लोगों से पूछताछ के बाद चार व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच में खुलासा हुआ कि यह घटना किसी मामूली बात को लेकर कुछ स्थानीय लोगों द्वारा की गई एक 'शरारत' थी। अधिकारी ने बताया कि पथराव की घटना में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और एमडीएमके ने भी हमले की निंदा की है।

एमजीएम कैंसर संस्थान में स्तन कैंसर पर जागरूकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एमजीएम कैंसर इंस्टीट्यूट, कैंसर देखभाल में अग्रणी प्रगति के लिए समर्पित एक प्रमुख स्वास्थ्य सुविधा, 'वॉक इन पिंक-नम्मा चेन्नई वॉकथॉन' की शानदार सफलता की घोषणा करते हुए रोमांचित है। 28 अक्टूबर को आयोजित इस कार्यक्रम ने उत्साही भागीदारी और सामुदायिक समर्थन प्राप्त करके स्तन कैंसर के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित किया।

वॉकथॉन, जो नेल्सन मनिकम रोड पर एमजीएम कैंसर इंस्टीट्यूट से शुरू हुआ और शेनॉय नगर के थिरु वी का पार्क में समाप्त हुआ। इसमें 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एम ए राजा, वरिष्ठ सलाहकार- मेडिकल ऑन्कोलॉजी, निदेशक- ऑन्कोलॉजी सर्विसेज और अध्यक्ष- मेडिकल सलाहकार बोर्ड की सम्मानित उपस्थिति द्वारा बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया।

'वॉक इन पिंक-नम्मा चेन्नई' का प्राथमिक उद्देश्य स्तन कैंसर से जुड़े जोखिम कारकों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और महिलाओं को नियमित स्व-परीक्षा और स्क्रीनिंग के माध्यम से अपने स्तन स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाना था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामुदायिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना और स्तन कैंसर के बारे में गलत धारणाओं को दूर करना था।

कांग्रेस तेलंगाना में सरकार बनाएगी, सभी चुनावी वादे पूरे किए जांएगे : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को विश्वास जताया कि कांग्रेस तेलंगाना में चुनाव के बाद सरकार बनाएगी और सभी चुनावी गारंटी को लागू करेगी।

उन्होंने तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि कर्नाटक में कांग्रेस द्वारा किए गए वादों को लागू नहीं किया जा रहा है। चुनावी राज्य तेलंगाना के तंदूर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस द्वारा घोषित छह चुनावी गारंटी पर प्रकाश डाला और विश्वास जताया कि उनकी पार्टी सत्ता में आएगी। शिवकुमार ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस द्वारा दी गई छह गारंटी, कर्नाटक में पार्टी द्वारा दी गई पांच गारंटी से बेहतर हैं। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा, ''आज, मैं आपको ये बताने के लिए आया हूं कि रेवंत (प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी) के नेतृत्व में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जो भी छह गारंटी दी हैं, वह कर्नाटक की पांच गारंटी से बेहतर हैं।'' बीआरएस के इन आरोपों का जिक्र करते हुए कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार लोगों से किए गए वादों को लागू करने में सक्षम नहीं है, शिवकुमार ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके बेटे के.टी. रामा राव से कर्नाटक का दौरा करने और खुद वास्तविकता देखने का न्योता दिया। शिवकुमार ने कहा, ''मैं केसीआर और केटीआर से कह रहा हूं। मैं एक बस की व्यवस्था करूंगा। आप अपने सभी मंत्रियों की टीम के साथ आएं... हमने जो भी वादा किया है, उसे पूरा किया है। आप कह रहे हैं कि हम (वादे) पूरे नहीं करेंगे। कर्नाटक में हमने जो भी वादा किया, उसे पूरा किया।'' तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान होगा और मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

कर्नाटक वन विभाग और भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट मिलकर करेंगे अपराधों की निगरानी

बेंगलूरु। कर्नाटक वन विभाग ने एक विशेष सॉफ्टवेयर - 'हॉक' का अनुकूलित संस्करण स्थापित करने के लिए भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट (डब्ल्यूटीआई) के साथ हाथ मिलाया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक इस सॉफ्टवेयर - 'हॉक' की मदद से डिजिटल मंच के जरिए वन और वन्यजीव अपराधों के प्रबंधन, निगरानी में मदद मिलेगी। यह विशेष सॉफ्टवेयर प्रणाली - होस्टाइल एक्टिविटी वॉच कर्नेल (हॉक) वन विभाग के तंत्रिका केंद्र के रूप में कार्य करेगा जहां वन्यजीवों की मृत्यु, वन्यजीव से संबंधित अपराध, संदिग्धों से संबंधित जानकारी, संदिग्ध गतिविधियों की आवाजाही, अदालती प्रक्रिया विवरण, सहित अन्य आंकड़े संग्रहीत किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि इससे वन विभाग के अधिकारियों को समय पर कार्रवाई करने और ऐसे अपराधों को रोकने के लिए निवारक उपाय करने में मदद मिलेगी। इस प्रणाली को पहली बार आधिकारिक तौर पर 2019 में केरल में राज्य वन विभाग के सहयोग से शुरू किया गया था और वर्तमान में इसे कर्नाटक वन विभाग के लिए डब्ल्यूटीआई द्वारा अनुकूलित किया जा रहा है। कर्नाटक के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और मुख्य वन्यजीव वार्डन, सुभाष के मालखेड़े ने कहा कि हॉक प्रणाली वन विभाग को राज्य भर में वन और वन्यजीव अपराधों के संबंध में आंकड़ों का प्रबंधन और निगरानी करने में मदद करेगी।

आईएएस अधिकारी के परिसरों पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति के संदेह में सहकारिता विभाग में रजिस्ट्रार के रूप में कार्यरत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी मेघराज सिंह रत्नू के परिसरों पर शुक्रवार को तलाशी अभियान शुरू किया। ब्यूरो के दल अधिकारी के जयपुर, अजमेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर और सीकर के परिसरों में तलाशी ले रहे हैं। ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि तलाशी के दौरान संपत्तियों और परिसंपत्तियों का पता चला है जो अधिकारी और उनके परिवार के नाम पर हैं। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान छह लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण, बैंक खाते से जुड़े दस्तावेज़ और अन्य कागज़ात भी मिले हैं।

ब्यूरो को जानकारी मिली थी कि रत्नू ने बेटी की पढ़ाई पर 60 लाख रुपये और उसकी शादी पर डेढ़ करोड़ रुपये खर्च किये हैं। इसके अलावा उन्होंने सेवा काल में विदेश यात्राएं की हैं और जयपुर क्लब, रामबाग गोल्फ क्लब की सदस्यता भी ली है। प्रियदर्शी ने बयान में बताया कि तलाशी अभियान जारी है और कार्रवाई खत्म होने के बाद संपत्ति का अंतिम मूल्यांकन किया जाएगा।

सांसद हनुमान बेनीवाल की सत्ता संकल्प यात्रा का समापन आज जयपुर में होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के संयोजक और नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल की सत्ता संकल्प यात्रा का समापन रविवार को जयपुर में होगा। विद्याधर नगर स्टेडियम में होने वाली 'सत्ता संकल्प महारैली' को बेनीवाल और आजाद पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद संबोधित करेंगे। बेनीवाल और आज़ाद ने बृहस्पतिवार को राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन की घोषणा की थी। रैली को आरएलपी विधायक भी संबोधित करेंगे। राज्य में पार्टी के तीन विधायक हैं। आरएलपी के प्रदेश कार्यालय प्रभारी शंकर लाल नारोलिया और महासचिव मनीष चौधरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

आरएलपी ने दस उम्मीदवारों की घोषणा की, सांसद बेनीवाल खींवसर से चुनाव लड़ेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए 10 उम्मीदवारों की घोषणा की है जिसके तहत पार्टी के संयोजक, सांसद हनुमान बेनीवाल विधानसभा की खींवसर सीट से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी की सूची के अनुसार भोपालगढ़ से मौजूदा विधायक पुखराज गर्ग और मेड़ता से विधायक इंदिरा देवी बावरी चुनाव लड़ेंगी। खींवसर से इस समय सांसद के भाई नारायण बेनीवाल विधायक हैं। पार्टी ने खींवसर से उन्हें टिकट नहीं दिया है। इस सूची में उनका नाम भी नहीं है।

पार्टी ने इसके अलावा परबतसर से लछाराम बडारड़ा, कोलायत से रेवतराम पंवार, सहाड़ा से बद्रीलाल जाट, बायतू से उम्मेदाराम बेनीवाल, सरदारशहर से लालचंद मूंड, सांगानेर से महेश सैनी और जोधपुर शहर से डॉ. अजय त्रिवेदी को टिकट दिया है।

उल्लेखनीय है कि हनुमान बेनीवाल ने 2018 का विधानसभा चुनाव खींवसर से जीता था लेकिन 2019 में वह नागौर से लोकसभा चुनाव जीत गए। उपचुनाव में आरएलपी से नारायण बेनीवाल जीते। आरएलपी ने चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के साथ गठबंधन की घोषणा की है।

राजस्थान पुलिस ने चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद से 200 करोड़ रुपये के 'मुफ्त उपहार' जब्त किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने राज्य में नौ अक्टूबर को आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से 200 करोड़ रुपये की नकदी, शराब, नशीले पदार्थ और आभूषण जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए किया जाना था।

यह जानकारी एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को दी। बारह अधिकारियों की एक टीम का नेतृत्व करते हुए, पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार ने राज्य भर में कड़ी निगरानी के लिए एक 'स्टॉर्म क्लब' बनाया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 25 नवंबर के चुनाव के लिए प्रचार के दौरान उम्मीदवारों द्वारा मतदाता को अवैध रूप से प्रभावित नहीं किया जा सके।

वर्ष 2004 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी कुमार ने यहां कहा, अब तक, हमने 214 करोड़ रुपये की जब्ती की है, जिसमें 25 करोड़ रुपये नकद, 20 करोड़ रुपये की शराब और 20 करोड़ रुपये के आभूषण और सोना शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 60 करोड़ रुपये की दवाएं, पेट्रोल, डीजल और अवैध रूप से संग्रहीत उर्वरक भी विभिन्न जिलों में जब्त किए गए हैं, जिनका मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए इस्तेमाल किया जाना था। यह राजस्थान पुलिस का एक सामूहिक कार्य था, विशेषकर 'स्टॉर्म क्लब' के वॉर रूम का संचालन करने वाले अधिकारियों का।

पूर्व विधायक और जयपुर की पूर्व महापौर सहित अनेक नेता भाजपा से जुड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पूर्व विधायक चंद्रशेखर बैद और नंदलाल पूनियां तथा जयपुर की पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल सहित अनेक नेता शनिवार को कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी, प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने इन नेताओं का पार्टी में स्वागत किया। भाजपा से जुड़ने वाले नेताओं में तारानगर से पूर्व विधायक चंद्रशेखर बैद, राजगढ़ के पूर्व विधायक नंदलाल पूनियां, जयपुर की पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, मंडावा से निर्दलीय चुनाव लड़ चुके डॉ. हरी सिंह सहारण, राजस्थान धरोहर एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सांवरमल महरिया और पूर्व भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी केसर सिंह शेखावत व भीम सिंह बीका शामिल हैं।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जोशी ने कहा, 'देश और दुनिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों और विचारधारा के समर्थक बढ़ रहे हैं। देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी में विश्वास व्यक्त कर रही है, इससे कांग्रेस के कुनबे में खलबली मची हुई है।' जोशी ने कहा कि विधानसभा चुनाव में हार के डर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के लिए अपशब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा, 'भाजपा का कुनबा बढ़ रहा है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लोग देश को तरक्की करते हुए देख रहे हैं। इस बार के चुनावों में गहलोत सरकार विदा होने वाली है।' जयपुर की पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल ने भाजपा में शामिल होने के बाद कहा कि कांग्रेस में ईमानदार और समर्पित कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया गया है और आलाकमान उनके मुद्दों की कोई सुनवाई नहीं कर रहा है। खंडेलवाल ने संवाददाताओं से कहा, मैंने लगातार देखा कि पार्टी के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं की कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। उन्हें किनारे कर दिया गया है।

मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण देश में बदहाली : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के प्रवक्ता मोहन प्रकाश ने शनिवार को आरोप लगाया कि देश में मौजूदा बदहाली व परेशानी की वजह केंद्र में सत्तारूढ़ नरेन्द्र मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियां हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा घोषित 'गारंटी' को लेकर जनता के बीच में जाएगी।

कांग्रेस नेता ने यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में मीडिया से कहा,इस देश के अंदर जितनी बदहाली व परेशानी है उसका कारण मोदी सरकार की जनविरोधी व पूंजीपति परस्त नीतियां हैं। इनकी वजह से ही आज ये कठिनाइयां हैं। इसमें हर वर्ग बदहाल है। राज्य में विधानसभा की 200 सीटों के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर आरोप लगाया कि वह प्रवर्तन निदेशालय(ईडी), आयकर विभाग और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का राजनीतिक लाभ के लिए दुरुपयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा घोषित सात 'गारंटी' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा,यह बताती हैं हमारी कांग्रेस पार्टी की सरकार किस दिशा में जाएगी। हमारी सरकार बनती है तो हम सबसे पहले इन बिंदुओं को पूरा करने का काम करेंगे। गारंटी देने से पहले सभी वित्तीय पहलुओं पर विचार कर लेते हैं क्योंकि राजनीति की विश्वसनीयता नरेन्द्र मोदी के राज में लगातार गिरती जा रही है।

उन्होंने कहा, यह चुनाव सिर्फ राजस्थान के लिए नहीं पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। यह चुनाव केवल सरकार बिगाड़ने व बनाने का चुनाव नहीं है क्योंकि राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने अशोक गहलोत सरकार के नेतृत्व में शासन का एक नया मॉडल दिया है जिसमें सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व भविष्य के लिए रोडमैप है। इसलिए देश की अन्य राज्य सरकारें भी इस बारे में विचार सोच रही है।

उन्होंने कहा, अगर हम इस मॉडल को लेकर राजस्थान में दोबारा चुनाव जीतते हैं तो यकीन मानिए देश के अन्य राज्य भी इसे स्वीकार करेंगे। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया,भाजपा का मॉडल लूट व झूठ का है। उनका कोई विजन नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाल में घोषित सात व पहले घोषित दस 'गारंटी' के साथ जनता के बीच जाएगी और बताएगी कि यह हमारी दिशा है। पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र में इस बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

आरएलपी ने दबाव में उम्मीदवारों की सूची जारी की : मिर्धा

जयपुर। नागौर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की उम्मीदवार ज्योति मिर्धा ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने उम्मीदवारों की पहली सूची दबाव में जारी की है। सांसद हनुमान बेनीवाल की अगुवाई वाली आरएलपी ने विधानसभा चुनाव के लिए दस उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस बारे में पूछे जाने पर मिर्धा ने कहा,मेरे ख्याल से उन बेनीवाल पर दबाव ज्यादा पड़ गया था... वे हर जगह बोलते हैं कि मैंने पार्टी बनाई है। उन्होंने अभी तक एक भी सूची जारी नहीं की थी। तो लोगों के मन में संशय आ रहा था जब उनकी खुद की पार्टी है तो वह तो अपनी उम्मीदवारी समेत एक सूची तो जारी कर ही सकते हैं।'

मिर्धा हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई हैं और बेनीवाल से उनकी प्रतिद्वंद्विता रही है। उन्होंने कहा, मुझे पता चला है कि उन्होंने एक सूची जारी की है, जिसमें मौजूदा विधायक और कुछ अन्य नाम शामिल हैं। मुझे लगता है कि वह इंतजार कर रहे हैं कि भाजपा और कांग्रेस में जो टिकट पाने से रह जाएं उनको लपककर अपनी पार्टी का उम्मीदवार बना लें। उनका पीछे का भी ट्रैक रिकॉर्ड रह चुका है।

उन्होंने कहा कि खींवसर सीट से बेनीवाल की हालत काफी खराब है। वहां से हाल ही में आरएलपी के कुछ नेता भाजपा में शामिल हुए हैं। इसके साथ ही मिर्धा ने कहा कि कांग्रेस में अंदरूनी कलह है और उनके कार्यकर्ता असमंजस में हैं।

राजस्थान के 65 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में बच्चों ने दोहराया 'गुड टच बैड टच' का पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। बच्चों में 'असुरक्षित स्पर्श' के प्रति जागरूकता से समाज में 'चाइल्ड अब्यूज' की घटनाओं पर लगाम कसने के लिए 'सुरक्षित स्कूल सुरक्षित राजस्थान' अभियान का दूसरा चरण शनिवार को 'नो बैग डे' के तहत प्रदेश के 65 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में एक साथ आयोजित किया गया। सभी सरकारी स्कूलों में इस अभियान के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त टीचर्स (मास्टर ट्रेनर्स) द्वारा बच्चों को 'बैड टच' का मुकाबला करते हुए खुद को सुरक्षित रखने के लिए 'नो-गो-टेल' की थ्योरी बताई गई।

जयपुर में स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने निजी स्कूलों के बच्चों में भी 'असुरक्षित स्पर्श' की अवेयरनेस क्रिएट करने के लिए प्रताप नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में आयोजित विशेष सत्रों में विद्यार्थियों को प्रेजेंटेशन और स्टोरीज के माध्यम से 'बैड टच' की पहचान के तरीके समझाएं। शासन सचिव ने 'टीम स्पर्श' के सदस्यों के साथ स्पेशल सेशन में बताया कि किस प्रकार सजग और सावधान रहते हुए बुरी नजर और गलत नीयत वाले लोगों के इरादों को छकाया जा सकता है। उन्होंने प्रेजेंटेशन के दौरान बच्चों से सीधा और सतत संवाद करते हुए बताया कि टच किस इमोशन के साथ किया जा रहा है, इसकी पहचान 'सिक्स्थ सेंस' का इस्तेमाल करते हुए की जा सकती है। गुड टच और बैड टच में भेद करने की क्षमता भगवान ने सभी को प्रदान की है। 'गुड टच' से बच्चों में सुरक्षा और सुविधा (सेफ्टी और कम्फर्ट) तथा 'बैड टच' से असुरक्षा एवं असुविधा (इनसिक्योरिटी एवं डिस्कम्फर्ट) की फीलिंग आती है। उन्होंने व्यवहारिक जीवन से जुड़ी छोटी-छोटी घटनाओं और किस्सों से बच्चों को मोटिवेट और एंगेज रखते हुए बैड टच की स्थिति में चिल्लाते हुए 'नो' बोलकर उस स्थान या व्यक्ति से सावधानी के साथ दूर भागने (गो) और इसके बारे में बिना किसी डर या घबराहट के किसी बड़े या जिस पर उनको सबसे ज्यादा भरोसा हो, को इसके बारे में बताने (टैल) की 'नो-गो-टैल की थ्योरी की बारीकियां सिखाई।

गहलोत संवैधानिक पद पर बैठकर कर्मचारियों को दे रहे हैं गाली : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष सी पी जोशी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि वह संवैधानिक पद पर बैठकर कर्मचारियों को गाली दे रहे हैं। जोशी शनिवार को कांग्रेस एवं अन्य दलों से भाजपा में शामिल हुए नेताओं को भाजपा की सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी कर्मचारी उनके इस आचरण को देख रहे हैं कि एक मुख्यमंत्री किस कदर हार के डर से बौखलाकर कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए किस प्रकार की भाषा का उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब प्रदेश की जनता इस तरह कर्मचारियों का अपमान करने वाले मुखिया को विदा कर देगी। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया में प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और विचारधारा के समर्थक बढ़ रहे हैं। देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों में विश्वास व्यक्त कर रही है, इससे कांग्रेस के कुनबे में खलबली मची हुई है।

इस मौके भाजपा प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने कहा कि भाजपा का परिवार बढ़ रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लोग देश को तरक्की करते हुए देख रहे हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस बार के चुनावों में गहलोत सरकार विदा होने वाली है। गहलोत बौखलाए हुए हैं और ईडी के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस बार भाजपा सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए ऐतिहासिक बहुमत से सत्ता में आएगी।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री कोड आफ कंडक्ट का उल्लंघन कर रहे है। आचार संहिता लगने के बाद सत्तारूढ पार्टी इस प्रकार घोषणाए नहीं कर सकती लेकिन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच से घबराए गहलोत इस प्रकार झूठी घोषणाएं कर रहे है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस से जुड़े हुए लोग अपमान और झूठ की राजनीति से तंग होकर भाजपा परिवार में शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस के भ्रष्टाचार की धीरे-धीरे कलई खुल रही है और पूरी कांग्रेस में हलचल हैं। प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है कि अब डबल इंजन की सरकार बनानी है और भ्रष्टाचार से मुक्ति पानी है।

कांग्रेस-भाजपा ने पुराने शासक परिवार, राजनीतिक राजवंशों के 26 वंशजों को चुनावी मैदान में उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर राजनीति में भाई-भतीजावाद का आरोप लगाते रहे हैं और बार-बार इसकी आलोचना करते रहे हैं। हालांकि, इस सार्वजनिक रुख के बावजूद, दोनों पार्टियों ने राजस्थान में अपने दिग्गज नेताओं के परिवार के सदस्यों को टिकट दिया है। राजस्थान में करीब 81 सीटें हैं, जो कई नेताओं का गढ़ मानी जाती हैं। इनमें से 40 सीटें दशकों से कुछ नेताओं और उनके परिवारों की पॉकेट रही हैं।

दोनों दलों ने अपने वरिष्ठ नेताओं के रिश्तेदारों को 26 टिकट दिए हैं। इसमें दिग्गज नेताओं के 15 बेटे, छह बेटियां-पोतियां, तीन पत्नियां, एक बहू और एक रिश्तेदार शामिल हैं। राजस्थान में अब तक बीजेपी ने 124 और कांग्रेस ने 76 टिकट बांटे हैं। इनमें से भाजपा ने 11 और कांग्रेस ने 15 ऐसे उम्मीदवारों को टिकट दिए जिनके परिवार के सदस्य विधायक, सांसद और मंत्री रहे हैं। बीजेपी ने देवली-उनियारा से पूर्व सांसद प्रत्याशी किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैंसला को टिकट दिया है। इसके बाद विद्याधर नगर से दीया कुमारी हैं जो पूर्व सांसद गायत्री देवी की पोती हैं और जयपुर के पूर्व शाही परिवार से आती हैं। बीकानेर से सिद्धि कुमारी, जिनके दादा करणी सिंह 1952 से 1977 तक सांसद थे, को बीजेपी से टिकट मिला है। श्रीमाधोपुर से चार बार विधायक रहे हरलाल सिंह खर्रा के बेटे झाबर सिंह खर्रा को इस बार अपने पिता के निर्वाचन क्षेत्र से टिकट मिला है। मंजीत चौधरी को मुंडावर से टिकट मिला है और वह पूर्व विधायक धर्मपाल चौधरी के बेटे हैं। पूर्व मंत्री दिगंबरसिंह के बेटे शैलेश सिंह को डीग कुम्हेर से टिकट मिला है। इसी तरह नसीराबाद से रामस्वरूप लांबा को टिकट मिला है। वह पूर्व मंत्री और सांसद सांवरलाल जाट के बेटे हैं। पूर्व सांसद नाथूराम मिर्धा की पोती डॉ. ज्योति मिर्धा नागौर से बीजेपी के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगी।

धरियावद से कन्हैयालाल मीणा लड़ेंगे चुनाव। वह धरियावद के पूर्व विधायक गौतमलाल मीणा के बेटे हैं। दीप्ति माहेश्वरी राजसमंद से चुनाव लड़ेंगी और वह पूर्व मंत्री किरण माहेश्वरी की बेटी हैं। सुमिता भींचर मकराना के पूर्व विधायक श्रीराम भींचर की बहू हैं और अब उसी सीट से चुनाव लड़ेंगी। भाजपा के ठीक बाद कांग्रेस ने भी पारिवारिक संपर्क वाले कई नेताओं को मैदान में उतारा है। सुशीला डूडी पूर्व विपक्ष नेता रामेश्वर डूडी की पत्नी हैं, जो अब नोखा से कांग्रेस के सिंबल पर चुनाव लड़ेंगी। सरदार शहर से अनिल शर्मा पूर्व विधायक भवर लाल शर्मा के बेटे हैं, जबकि ब्रजेंद्र ओला पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला के बेटे हैं।

रामगढ़ से जिस जुबेर खान को टिकट दिया गया है, वह कांग्रेस विधायक सफिया जुबेर के पति हैं। सुजानगढ़ से उम्मीदवार बनाए गए मनोज मेघवाल पूर्व मंत्री भंवरलाल मेघवाल के बेटे हैं, जबकि रीटा चौधरी मंडावा से छह बार जीत चुके रामनारायण चौधरी की बेटी हैं।

धनखड़ ने आंध्र मेडिकल कॉलेज में क्लीनिकल एवं बायोमेडिकल अनुसंधान केंद्र की आधारशिला रखी

विशाखापट्टनम/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को यहां आंध्र मेडिकल कॉलेज में क्लीनिकल और बायोमेडिकल अनुसंधान केंद्र की आधारशिला रखी। धनखड़ ने शताब्दी समारोह के तहत एएमसी के एक 'सेनेटरी एल्युमिनाई पाइलन' का अनावरण भी किया। बाद में, उन्होंने कॉलेज के एएमसी सेंटेनरी हॉल में एक फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही एक डाक लिफाफा जारी किया और एक 'कॉफी टेबल बुक' का विमोचन किया। एएमसी भारत का सातवां सबसे पुराना मेडिकल कॉलेज है। इस संस्थान से सैकड़ों चिकित्सक निकले हैं और अब दुनिया भर में सेवा दे रहे हैं। इससे पहले दिन में, आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नज़ीर ने बंदरगाह शहर में आईएनएस डेगा एयरबेस पर धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्य के उद्योग मंत्री जी. अमरनाथ, स्वास्थ्य मंत्री वी. रजनी और अन्य अधिकारी भी थे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने एयरबेस पर सलामी गारद का निरीक्षण किया।

मथुरा में छेड़छाड़ का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में गोली लगी

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के जैत थाना क्षेत्र में पुलिस ने बैटरी रिक्शा में महिला सवारियों से छेड़छाड़ व अभद्रता करने के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि महिला यात्रियों के साथ अक्सर छेड़छाड़ एवं अभद्रता करने का आरोपी अभियुक्त बैटरी रिक्शा चालक गौतमबुद्ध नगर के जेवर थाना क्षेत्र के मड़िया सिरसा गांव निवासी राजेंद्र जैंत दिल्ली-आगरा हाईवे से भरतिया जाने वाले रास्ते से कहीं जा रहा है। सिंह ने बताया कि जैंत थाना प्रभारी अजय वर्मा ने अपनी टीम के साथ घेरेबंदी कर आरोपी राजेंद्र को पकड़ने का प्रयास किया, तो उसने पुलिस पर गोलीबारी करते हुए भागने की कोशिश की। एएसपी ने बताया कि पुलिस की जवाबी गोलीबारी में आरोपी घायल हो गया। उसके कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) मार्तंड प्रकाश सिंह के अनुसार, घायल आरोपी को अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि राजेंद्र के खिलाफ पहले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (किसी स्त्री को बलपूर्वक निर्वस्त्र होने के लिए मजबूर करना) 354-ख (स्त्री को निर्वस्त्र करने के लिए आपराधिक बल प्रयोग) व 379 (चोरी करने का अपराध) के तहत मामला दर्ज किया गया था। सिंह के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद उसके खिलाफ धारा 307 (हत्या का प्रयास) और आयुध अधिनियम के तहत एक नया मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अर्थव्यवस्था को 'डिफॉल्टर काल' की तरफ ले जा रही सरकार : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार देश की अर्थव्यवस्था को 'डिफॉल्टर काल' की तरफ ले जा रही है। उन्होंने एक खबर का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि जानबूझकर कर्ज न चुकानों वालों का कर्ज बढ़ता जा रहा है।

खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नरेन्द्र मोदी जी, आपकी सरकार भारत की अर्थव्यवस्था को 'डिफॉल्टर काल' की ओर ले जा रही है! अपने पूंजीपतियों को 'मुफ्त की रेवड़ियां' बांटना और आम लोगों की बचत को नष्ट करना आपका एकमात्र एजेंडा रहा है।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या यह सच नहीं है कि मार्च 2019 के बाद से जानबूझकर कर्ज न चुकाने वालों का बकाया 100 करोड़ रुपये प्रतिदिन बढ़ गया है? क्या आपकी सरकार ने पिछले नौ वित्तीय वर्षों में 14.56 लाख करोड़ रुपये का एनपीए माफ नहीं किया है?'' कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, ''आपकी सरकार दोषी है-नीरव मोदी, मेहुल चोकसी, विजय माल्या, जतिन मेहता जैसे गंभीर आर्थिक अपराधियों की मदद करना-लूटो और भारत से भाग जाओ! कमरतोड़ मूल्य वृद्धि थोपना, आम लोगों की बचत को डुबाना, भारी आर्थिक विषमता पैदा करना!'' खरगे ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया, ''जब हताश किसान मदद के लिए पुकारते हैं, तो भाजपा उनका ऋण माफ करने से इनकार कर देती है, लेकिन जब धनकुबेर मित्र कर्जमाफी चाहते हैं, तो आपकी सरकार एक पल में ऐसा करने के लिए बाध्य हो जाती है!'' उन्होंने कहा, ''2024 आने दीजिए। भारत के लोग अर्थव्यवस्था पर आपके हर हमले का जवाब देंगे!''

स्पष्ट बहुमत के साथ फिर नरेन्द्र मोदी ही बनेंगे भारत के प्रधानमंत्री: राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह ने शनिवार को दावा किया कि अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में एक बार फिर स्पष्ट बहुमत के साथ नरेन्द्र मोदी ही देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। अपने संसदीय क्षेत्र के दौरे पर आये सिंह ने यहां सदर गुरुद्वारा चौराहे पर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह दावा किया।

जब उनसे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की चुनौतियों को लेकर पत्रकारों ने सवाल किया तो उन्होंने कहा, ''आप आश्वस्त रहिए, देश की जनता का पूरा भरोसा हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी (नरेन्द्र मोदी) के प्रति है और 2024 के चुनाव में नरेन्द्र मोदी ही स्पष्ट बहुमत के साथ देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। यह केवल मैं ही नहीं कह रहा हूं, बल्कि बहुत सारे राजनीतिक विश्लेषक भी इस सच्चाई को स्वीकार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज महर्षि वाल्मीकि की जयंती है। इस अवसर पर मैं अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र (लखनऊ) में हूं। इसलिए मैंने फैसला किया कि कहीं न कहीं जाकर महर्षि वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करूंगा और अपनी श्रद्धा प्रकट करूंगा। उसी निमित्त मैं यहां आया हुआ हूं।'' रक्षा मंत्री ने कहा, 'सारा विश्व जानता है कि रामायण के रचयिता वाल्मीकि थे और राम के चरित्र का उन्होंने जो चित्रण किया है, उसी आधार पर आज भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया के जिस किसी देश में भारतीय रहते हैं, रामलीला का मंचन होता है।'

राजनाथ ने कहा, ''मेरा मानना है कि महर्षि वाल्मीकि के राम केवल राजा ही नहीं थे, बल्कि वह लोकनायक भी थे। वह संस्कार पुरुष थे, (वह) युग पुरुष थे, (वह) अवतार पुरुष थे और धर्म की प्रतिमूर्ति एवं मर्यादा पुरुषोत्तम भी थे।'' सिंह ने कहा, ''मैं महर्षि वाल्मीकि के प्रति हृदय से अपनी गहरी आस्था की अभिव्यक्ति करता हूं और वाल्मीकि जयंती के अवसर पर समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं।''

जम्मू-कश्मीर में पिछले पांच साल में 'कोलेट्रल डैमेज' शून्य रहा : डीजीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेथपुरा (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुलिस प्रमुख दिलबाग सिंह ने शनिवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में गत पांच साल में आतंकवाद की घटनाओं में कमी आई है और 'कोलेट्रल डैमेज' शून्य रहा तथा कानून-व्यवस्था की कोई घटना नहीं हुई। उन्होंने यह टिप्पणी पुलिस थानों की परिचालन क्षमता वृद्धि (ओसीएपी) का दूसरा चरण शुरू करने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान की। दिलबाग सिंह 31 अक्टूबर को सेवा निवृत्त हो रहे हैं।

कोलेट्रल डैमेज का अभिप्राय सैन्य अभियान के दौरान होने वाली असैन्य क्षति से है। दूसरे चरण के तहत 22 पुलिस थानों को शांति और स्थिरत टीम मुहैया कराई गई है जिनमें 14 उच्च प्रशिक्षित जवान, आधुनिक हथियारों और उपकरण के साथ वाहन और ड्रोन शामिल है। सिंह ने दावा किया, ''हमें इस बात पर गर्व है कि पिछले पांच वर्ष में कार्रवाई के दौरान कोई 'कोलेट्रल डैमेज' नहीं हुआ। यह बेहद खुशी की बात है। कानून-व्यवस्था की घटनाएं भी शून्य हो गयी हैं। ईश्वर की कृपा से, पिछले पांच वर्ष में पुलिस कार्रवाई में एक भी नागरिक हताहत नहीं हुआ है। हमें इस पर गर्व है।'' जम्मू-कश्मीर आंतवाद के काले युग से बाहर आ रहा है। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद का ग्राफ नीचे आ रहा है और अब यह निचले स्तर पर है। हम इसे शून्य पर देखना चाहते हैं।'' सिंह ने शून्य आंतकवाद की उपलब्धि हासिल करने को लेकर कहा कि नई योजना बनाई गई है और पुलिस थानों के ओसीएपी की परिचालन क्षमता वृद्धि की जा रही है। उन्होंने कहा, '' ओसीएपी के तहत 43 ऐसे पुलिस थानों की पहचान की गई जहां अन्य थानों की तुलना में आतंकवादी घटनाएं ज्यादा हो रही थीं।''

मिजोरम के लोग भाजपा को वोट देंगे : केंद्रीय मंत्री राजकुमार रंजन सिंह

हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम)/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राजकुमार रंजन सिंह ने विश्वास जताया है कि मिजोरम के लोग सात नवंबर के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को वोट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा और महिला उम्मीदवार मिजोरम विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेगी।

केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री ने शुक्रवार रात यहां नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के उद्घाटन से इतर कहा कि पूर्वोत्तर समाज के सभी क्षेत्रों में महिलाओं का वर्चस्व है, और हाल में महिला आरक्षण विधेयक पारित किये जाने से उनकी स्थिति और मजबूत होगी। उन्होंने कहा, ''हम यह भी उम्मीद करते हैं कि जिन सीट पर हम चुनाव लड़ रहे हैं, मिजोरम के जागरूक मतदाता हमारे (भाजपा) के लिए मतदान करेंगे।'' सिंह ने कहा कि उन्हें यह भी उम्मीद है कि आगामी चुनाव में कुछ महिला प्रत्याशी भी सफल होंगी और राज्य के विकास में सकारात्मक योगदान देंगी। उन्होंने पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों की महिलाओं से भी महिला आरक्षण अधिनियम का लाभ उठाने की अपील की। मिजोरम की 40 सदस्यीय विधानसभा के लिए सात नवंबर को वोट डाले जाएंगे। भाजपा ने 2018 के विधानसभा चुनाव में 39 सीट पर अपने प्रत्याशी उतारे थे।

शर्मिंदा हूं कि गाजा में संघर्ष-विराम के लिए मतदान से दूर रहा भारत : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को कहा कि वह इससे स्तब्ध और शर्मिंदा हैं कि संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में संघर्ष-विराम का आह्वान करने वाले प्रस्ताव पर मतदान से भारत दूर रहा। उन्होंने यह भी कहा कि जब मानवता के हर कानून को ध्वस्त कर दिया गया है, तो ऐसे समय में अपना रुख तय नहीं करना और चुपचाप देखते रहना गलत है।

भारत संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'आम नागरिकों की सुरक्षा और कानूनी एवं मानवीय दायित्वों को कायम रखने' शीर्षक वाले जॉर्डन के मसौदा प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा। इस प्रस्ताव में इजराइल-हमास युद्ध में तत्काल मानवीय संघर्ष-विराम और गाजा पट्टी में निर्बाध मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने उस प्रस्ताव को अपनाया, जिसमें तत्काल, टिकाऊ और निरंतर मानवीय संघर्ष-विराम का आह्वान किया गया है, ताकि शत्रुता समाप्त हो सके। प्रियंका ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर किए अपने पोस्ट में महात्मा गांधी के उस कथन का उल्लेख किया कि 'आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देती है।' उन्होंने कहा, मैं स्तब्ध और शर्मिंदा हूं कि हमारा देश गाजा में संघर्ष-विराम के लिए हुए मतदान में अनुपस्थित रहा।'

प्रियंका ने कहा, हमारे देश की स्थापना अहिंसा और सत्य के सिद्धांतों पर हुई थी। इन सिद्धांतों के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन का बलिदान दिया। ये सिद्धांत संविधान का आधार हैं, जो हमारी राष्ट्रीयता को परिभाषित करते हैं। वे भारत के उस नैतिक साहस का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सदस्य के रूप में उसके कदमों का मार्गदर्शन किया है।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्रद्धालुओं के लिए 'ड्रेस कोड' लागू करने पर विचार

वाराणसी (उप्र)/भाषा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास यहां स्थित मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 'ड्रेस कोड' (परिधान) लागू करने पर विचार कर रहा है। इसके लिए मंदिर न्यास की आगामी दिनों में होने वाली बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। यह जानकारी न्यास के एक पदाधिकारी ने दी। काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडेय ने शनिवार को कहा कि न्यास की आगामी बैठक में मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक परिधान (ड्रेस) निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा जाएगा। हालांकि उन्होंने बैठक की तारीख नहीं बताई, सिर्फ इतना कहा कि बैठक नवंबर माह में होगी।

पांडेय ने कहा कि फिलहाल विश्वनाथ धाम आने वाले दर्शनार्थी शालीन और मर्यादित वस्त्र धारण करके आयें। उन्होंने कहा कि ''काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को ऐसे मर्यादित वस्त्र पहनकर आना चाहिए जो देखने में अच्छा लगे।'' पांडेय ने बताया कि ''पुरुषों के लिए धोती-कुर्ता और महिलाओं के लिए साड़ी पहन कर ही गर्भगृह में दर्शन पूजन करने को लेकर मंदिर न्यास की अगली बैठक में प्रस्ताव रखे जाने के सुझाव मिले हैं।'' उन्होंने कहा कि न्यास की बैठक में विचार-विमर्श के बाद ही इस पर फैसला लिया जाएगा।

प्रधान ने 'अमृत कलश यात्रा' विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली के लिए रवाना किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को 'अमृत कलश यात्रा' (विशेष ट्रेन) को हरी झंडी दिखाकर नई दिल्ली के लिए रवाना किया। प्रधान ने 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के हिस्से के रूप में भुवनेश्वर स्टेशन पर इस विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। ट्रेन में ओडिशा के 13,250 गांवों से एकत्र की गई मिट्टी को 1,600 स्वंयसेवकों द्वारा राष्ट्रीय राजधानी ले जाया जा रहा है।

अभियान के तहत, देशभर के 766 जिलों के 7,000 से ज्यादा ब्लॉक से एकत्र की गई मिट्टी से नई दिल्ली में राष्ट्रीय समर स्मारक के समीप 'अमृत वाटिका' का निर्माण किया जाएगा। प्रधान के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रताप सारंगी और अपराजिता सारंगी तथा भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल पार्टी मुख्यालय से निकाली गई शोभायात्रा में शामिल होकर रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'आज का दिन हम सभी के लिए एक शुभ दिन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर गांवों, शहरों और पंचायतों से मिट्टी एकत्र करने का अभियान अपनी समाप्ति की ओर बढ़ रहा है।' ट्रेन रविवार को नई दिल्ली पहुंचेगी, जिसके बाद ये 1,600 स्वंयसेवक 30 और 31 अक्टूबर को कर्तव्य पथ व विजय चौक पर दो दिवसीय कार्यक्रम में अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आने वाले 20,000 से ज्यादा लोगों के साथ एकत्र होंगे।

'सबसे भ्रष्ट' साबित हुई है भाजपा सरकार: शिवपाल सिंह का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाराबंकी/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महामंत्री शिवपाल सिंह यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार खत्म करने का वादा करके राज्य की सत्ता में आई भाजपा सरकार ''सबसे भ्रष्ट'' साबित हुई है।

शुक्रवार को त्रिवेदीगंज ब्लॉक के साह मनोधरपुर गांव में एक निजी स्कूल के भूमि पूजन व शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सपा महासचिव यादव ने कहा ''लगभग सात साल पहले भाजपा भ्रष्टाचार खत्म करने का दावा करके सत्ता में आई थी, लेकिन यह सबसे भ्रष्ट सरकार है।'' उन्होंने कहा कि 'जब हमारी (सपा की) सरकार थी तब एक कार्यकर्ता भी काम करा लेता था, लेकिन भाजपा के एमपी-एमएलए से सिफारिश कराओ तो कमीशन मांगते हैं।' यादव ने आरोप लगाया कि 'यदि भाजपा के एमएलए-एमपी से शिकायत करो, तो उन्हें भी पैसे चाहिए। फिर दरोगा से थाने में या तहसील में सिफारिश की तो वहां बैठा अधिकारी बोलता है कि पहले तो कम में काम हो जाता था, लेकिन आज उप्र में हालत ये हैं कि विधायक और सांसद को भी उसमें से कमीशन चाहिए।' उन्होंने कहा कि थाने या तहसील में कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यादव ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार किसी भी क्षेत्र में विकास नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा, ''पूरा देश नौकरशाही के हाथ में है।''

प. बंगाल: ज्योतिप्रिय मलिक की गिरफ्तारी के विरोध में टीएमसी कार्यकर्ताओं का मार्च

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री रतिन घोष ने अपने कैबिनेट सहयोगी ज्योतिप्रिय मलिक की कथित राशन घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की युवा शाखा के विरोध मार्च का नेतृत्व किया।

मलिक को यहां मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने पांच नवंबर तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया है। शुक्रवार को अदालत कक्ष में बेहोश होकर गिरने के बाद न्यायाधीश के आदेश पर उनका एक निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। घोष ने दावा किया, 'मनरेगा की लंबित धनराशि जारी करने की मांग को लेकर हमारे नेता अभिषेक बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव) के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन को विफल करने के लिए ईडी और केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की छापेमारी की जा रही है।' जांच एजेंसी ने राज्य के वन मंत्री मलिक (66) को कथित राशन वितरण घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में शुक्रवार तड़के गिरफ्तार किया था। तृणमूल कांग्रेस की युवा शाखा के सैकड़ों सदस्यों के विरोध मार्च का नेतृत्व करते हुए घोष ने कहा कि छापेमारी और गिरफ्तारियां लोगों के बकाये के लिए आंदोलन को नहीं रोक पाएंगी।

महाराज ने बता दिया था कि मैं आउट नहीं हूं: शम्सी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी विश्व कप मैच में पगबाधा की अपील पर बेहद ही मामूली अंतर से अपना विकेट बचाने वाले दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्सी ने कहा कि केशव महाराज ने उन्हें बता दिया कि वह आउट नहीं है। विश्व कप के इस बेहद रोमांचक मैच को दक्षिण अफ्रीका ने एक विकेट से अपने नाम किया जिससे पाकिस्तान की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गयी।

शम्सी जब क्रीज पर बल्लेबाजी के लिये आये तो टीम को जीत के लिए 12 रन की जरूरत थी और सिर्फ एक विकेट बचा था। तेज

गेंदबाज हारिस रऊफ की शम्सी के खिलाफ पगबाधा अपील को मैदानी अंपायर ने नकार दिया। पाकिस्तान की टीम ने रिव्यू लिया लेकिन 'अंपायर्स कॉल' के कारण शम्सी क्रीज पर बने रहे और दक्षिण अफ्रीका ने बेहद रोमांचक जीत दर्ज की। शम्सी ने मैच के बाद कहा, '' जब पाकिस्तान ने रिव्यू लिया था तभी केशव (महाराज) ने मुझे बताया था कि गेंद लेग स्टंप की तरफ जा रही थी। इसलिए मैं इसे लेकर ज्यादा चिंतित नहीं था।''

शम्सी के साथ टीम के लिए शानदार स्पिन गेंदबाजी करने वाले अनुभवी केशव महाराज ने बल्ले से भी मजबूत जज्बा दिखाया और चौका लगाकर टीम को यादगार जीत दिलायी।

मैच में 'अपायर्स कॉल' को लेकर विवाद भी हुआ। रासी वान डर डुसेन के विकेट को लेकर वह निराश दिखे लेकिन कहा कि तकनीक की मदद से मिले परिणाम को मानना होगा।

मैदानी अंपायर ने डुसेन का आउट करार दिया था जो बहुत कम अंतर से 'अंपायर्स कॉल' का शिकार बने। महाराज ने कहा, ''जाहिर तौर पर, हमें वह फैसला पंसद नहीं आया। लेकिन जब तकनीक कुछ और कहती है, तो हमें इसे स्वीकार करना होगा।''

अभी तक परफेक्ट खेल नहीं दिखा सके हैं : आर्थर

चेन्नई/भाषा। पाकिस्तान के क्रिकेट निदेशक मिकी आर्थर ने कहा है कि उनकी टीम विश्व कप में एक ईकाई के रूप में 'परफेक्ट खेल' नहीं दिखा सकी है और इसी वजह से जूझती नजर आई है । दक्षिण अफ्रीका से एक विकेट से हारने के बाद पाकिस्तान विश्व कप से लगभग बाहर हो गया है । अब उसे सभी मैच जीतने के अलावा दूसरे मैचों के अनुकूल नतीजों की भी दुआ करनी होगी । आर्थर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' ईमानदारी से कहूं तो हम मिलकर परफेक्ट खेल नहीं दिखा सके । हमने एक ईकाई के रूप में अच्छी बल्लेबाजी नहीं की । इस पिच पर कम से कम 300 रन बनने चाहिये थे जो हम नहीं बना सके ।'' उन्होंने कहा ,'' इसके अलावा हम अच्छी गेंदबाजी भी नहीं कर सके । इस मैच में अब तक की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की लेकिन रन कम रह गए । हम परफेक्ट खेल दिखा ही नहीं सके । प्रयासों में कोई कमी नहीं थी लेकिन खिलाड़ी खास तौर पर बल्लेबाज फॉर्म में नहीं दिखे ।'' आर्थर ने कहा कि पाकिस्तान 30 रन पीछे रह गया । उन्होंने कहा ,'' मुझे लग रहा था कि हम 300 के करीब पहुंचेगे । मैने ड्रेसिंग रूम में 45वें ओवर में कहा भी था कि प्रति ओवर छह रन बनाकर भी 295 पहुंच जायेंगे लेकिन हम चूक गए।'' पाकिस्तान के छह मैचों में चार अंक है और बाकी तीनों मैच जीतने पर भी उनके सेमीफाइनल में पहुंचने की पांच प्रतिशत से भी कम उम्मीद है।

भारत की राह में रोड़ा होंगे ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका : सौरव गांगुली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि भारत की वनडे विश्व कप में फिर से विजेता बनने की राह में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सबसे बड़ी बाधा होंगे।

पांच बार के चैंपियन आस्ट्रेलिया ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के हाथों पराजय झेलने के बाद लगातार चार मैच जीत कर शानदार वापसी की। वह अंक तालिका में अभी चोटी की चार टीम में शामिल है। बांग्लादेश और नीदरलैंड के बीच ईडन गार्डन्स पर वर्तमान विश्व कप के पहले मैच के आयोजन के अवसर पर गांगुली ने कहा,''भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका सबसे बड़ी चुनौती होंगे।''

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष ने कहा,''ऑस्ट्रेलिया ने वास्तव में बहुत अच्छी वापसी की है और वह शानदार क्रिकेट खेल रहा है। उसकी न्यूजीलैंड के खिलाफ आज की जीत वास्तव में बेहद रोमांचक थी।''

गांगुली ने इंग्लैंड के खराब प्रदर्शन पर हैरानी भी जताई। उसने अभी तक पांच मैच में केवल एक मैच जीता है। इंग्लैंड का अगला मुकाबला रविवार को लखनऊ में भारत से होगा। उन्होंने कहा,''मैंने कभी नहीं सोचा था कि इंग्लैंड इस तरह का प्रदर्शन करेगा लेकिन यही खेल है। जहां तक भारत की बात है तो वह मजबूत टीम है और अच्छा प्रदर्शन कर रही है लेकिन अभी चैंपियनशिप दूर की कौड़ी है। पहले उन्हें नॉकआउट चरण से आगे बढ़ना होगा।''

सुविचार

ज़िन्दगी जीने के रहस्य को किताबों ? में नहीं पढ़ा जा सकता, क्योंकि ये सिर्फ अनुभव और बीते कल के समझ से ही मिलता है।

ट्वीट

कांग्रेस नेताओं ने आज जयपुर में मोदी जी की जनकल्याणकारी नीतियों में विश्वास व्यक्त करके राजस्थान में परिवर्तन का शंखनाद करते हुए पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया, जयपुर की पूर्व मेयर ज्योति खंडेलवाल,छात्रसंघ पूर्व अध्यक्ष रवीन्द्र सिंह भाटी, चंद्रशेखर बैद ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

-अरुण सिंह

भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुकी काँग्रेस सरकारों के मुख्यमंत्री अब अपनी हार की भयावह आशंका से देश की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अमर्यादित शब्दों का उपयोग करने पर उतर चुके हैं। मुख्यमंत्री जी, साँच को आंच क्या? यदि आप सच्चे हैं तो इस जाँच से कैसा भय?

-सतीश पूनिया

कहानी

पिता

बसंत त्रिपाठी

गाड़ी आने के लगभग आधा घंटा पहले मैं स्टेशन पहुँच गया। रात के साढ़े बारह बज रहे थे। जुलाई के अंतिम कुछ ही दिन बाकी थे। पिछले दस घंटे से हो रही लगातार बारिश अब रुक चुकी थी। लेकिन पानी जहाँ तहाँ से बह रहा था जो बारिश की निरंतरता को बनाए हुए था। स्टेशन लगभग शांत था। बाहर की कीचड़ पैरों-पैरों होते हुए प्लेटफार्म तक पहुँच गई थी। कहीं कहीं प्लेटफार्म की छत से पानी बूँद बूँद टपककर पूरे फर्श को गीला कर चुका था। इसमें उन तेज बौछारों का हाथ भी कम नहीं था जो अभी कुछ समय पहले तक लगातार पड़ती रही थी। प्लेटफार्म की कुर्सियाँ कीचड़ से सनी थी। कुछ लोग कुर्सियों की पीठ पर बैठे थे और बैठने की जगह पर अपने जूते चप्पलों को टिकाए हुए थे। सूखी कुर्सियों पर अखबार बिछाए हुए लोग सो रहे थे। मेरे पास खड़े रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

मैं पिता से मिलने आया था जो हैदराबाद से अपना चेक-अप कराकर अपने शहर भिलाई नगर लौट रहे थे। चेक-अप का सारा खर्च मैंने एडवांस में भर दिया था और डॉक्टर से तीन महीने पहले ही एपॉइंटमेंट ले लिया था। जाँच से पता चला कि उनके दिल में तीन ब्लॉकेज हैं। पिछले कुछ दिनों से पिता जल्दी हाँफ जाने की शिकायत करने लगे थे। इसे पूरी गंभीरता से लेते हुए मैंने हैदराबाद में इलाज करवाना पक्का किया क्योंकि वहाँ मेरे कुछ परिचित के लोग रहते थे। मैंने महीने भर पहले ही छुट्टी के लिए आवेदन कर दिया था और वह मंजूर भी हो गया था। लेकिन ऐन मौके पर बारिश की कुछ बंपर योजनाओं पर तुरंत नए तरह से काम करने की जरूरत का हवाला देते हुए मेरी छुट्टी रद्द कर दी गई और मुझे नए प्रोजेक्ट थमा दिए गए।

मन तो हुआ था कि प्रोजेक्ट की फाइल बॉस के सिर पर दे मारूँ। लेकिन ऐसे क्षोभ के लिए हमारी दुनिया में कोई जगह नहीं है। तत्परता... हाँ यही हमारी कारपोरेट दुनिया का अंतिम सच है। अपनी चौदह घंटे की रोजाना नौकरी में सिवाय तत्परता के और कुछ भी नहीं।

'सिकंदराबाद से चलकर दरभंगा की ओर जाने वाली गाड़ी क्रमांक 7007 के आने का संकेत हो चुका है। यह गाड़ी कुछ ही समय पश्चात प्लेटफार्म क्रमांक पाँच पर आएगी।' एक यंत्रचालित स्त्री-आवाज मराठी, हिंदी और अँग्रेजी में लगातार इस सूचना को शालीन तरीके से प्रक्षेपित कर रही थी। गाड़ी के आने की सूचना से प्लेटफार्म में कुछ हलचल हुई। नींद में डूबे बच्चों को माँएँ झिझोंड़ने लगीं। पुरुष सामानों को ठीक से जमाने लगे थे। चाय की केतली गर्म होने लगी थी। वेंडर कुछ और सामान बेच लेने की तैयारी में लग गए थे। ये सारी तैयारियाँ भी जैसे किसी 'यात्रा' नाम के महानाटक का जरूरी हिस्सा है, मैंने सोचा और पटरी की उस दिशा में देखने लगा जहाँ से ट्रेन को आना था।

दूर पटरी के आस-पास पसरे अँधेरे के बीच पहले रोशनी का एक गोला दिखा, जो स्टेशन की ओर सरक रहा था। फिर उस गोले का घेरा बढ़ता गया। गाड़ी धीरे-धीरे प्लेटफार्म में प्रवेश कर रही थी। और मैं ट्रेन के चालक को देखने लगा। बहुत बचपन से ही ट्रेन के चालक मेरे कुतूहल का हिस्सा रहे हैं। उन दिनों जब हमारे गाँव की ओर जाने वाली ट्रेन कोयले से चलती थी, ट्रेन के चालक सिर में कपड़ा बाँधे रहते थे। उन्हें देखकर मैं उनके बारे में सोचता था कि कितना बढ़िया है उनका जीवन। दिन भर घूमो और जब चाहो, ट्रेन की सीटी बजा दो। लेकिन इस गाड़ी के चालक वैसे नहीं थे। एक अधेड़ और एक युवा, दोनों ही अपने काम पर्याप्त जिम्मेदार दिखते हुए-से। बचपन में देखे हुए ट्रेन चालकों की तरह ये बिल्कुल नहीं थे। फिर भी उन्हें देखकर मुझे अच्छा-सा लगा।

'एस-7' पिता ने टेलीफोन पर सूचना दे दी थी। मैं नियत स्थान पर खड़ा हो गया, जहाँ वह बोगी रुकने वाली थी। मुझे वे दिन फिर से याद आने लगे जब गाड़ी के आने के बाद मुसाफिरों का रेला आगे से पीछे और पीछे से आगे बदहवास भागता था। टीन की ट्रंक पुरुषों के सिर पर और स्त्रियाँ छोटे बच्चों को गोदी में उठाए। थोड़े बड़े बच्चे उनके पीछे। जनरल बोगी में दरवाजा खोलने की गुहार लगाते चिल्लाते गाली बकते मर्द और औरतें... दुनिया में कितना कुछ बदल गया है। शर्त बस यही है कि इस बदलाव को खरीदने का सामर्थ्य आपके पास हो।

गाड़ी रुकी। मैं एस-7 के दरवाजे के सामने था लेकिन पिता वहाँ नहीं थे। अचानक बोगी के दूसरे दरवाजे से मुझे अपने नाम की पुकार सुनाई पड़ी। मैंने देखा, पिता दूसरे दरवाजे से उतर चुके थे और मुझे पुकार रहे थे। मैं तेजी से उनके पास गया, पाँव छुए और उनके साथ बोगी के अंदर आ गया।

अपनी खराश वाली आवाज के साथ पिता बीमारी, उसका इलाज और बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में अटक-अटक बताते रहे। मैंने लक्ष्य किया, वे जितना बता रहे थे उससे कहीं ज्यादा छिपा रहे थे। इसका एक कारण तो उनके और मेरे बीच का रिश्ता भी था। उनके और मेरे बीच हमेशा ही संवादहीनता की स्थिति बनी रही। मुझे ठीक-ठीक याद नहीं कि कैशोर्य की देहरी लाँघने के बाद मैंने उनसे कभी सीधे बात की हो या कुछ माँगा हो। ऐसे में उनकी छुपाने की मंशा अजीब तो नहीं थी लेकिन फिर भी मैं अटपटा महसूस कर रहा था। छुपाने का अभ्यास उन्हें भी नहीं था इसलिए बोलते-बोलते अपना वाक्य वे बीच में ही छोड़ देते और किसी दूसरे वाक्य का सिरा पकड़ लेते। मुझे इस वक्त वे एक लाचार बूढ़े की तरह लग रहे थे।

लेकिन पिता हमेशा से ऐसे ही नहीं थे। एक उम्र तक वे बहुत आक्रामक रहे। मुझे अब भी याद है, लकड़ी की अलमारी के ऊपर एक बेंत रखी होती थी। वे जब घर में न होते तो बेंत ही उनकी उपस्थिति का एहसास कराती रहती। हमारी शैतानियों के बीच माँ भी बराबर उसकी याद दिलाती रहती। बेंत की याद आते ही हम कुछ पल के सहमकर शांत हो जाते। कभी कभी जब लौटने के थोड़ी देर बाद ही पिता हमारी शैतानियाँ जान जाते, तब लगता कि जरूर उनकी बेंत की आँखें हैं जो सबकुछ देखती रहती है। यह विश्वास बहुत बाद तक बना रहा। हम बड़े हुए और बेंत निस्तेज होकर किसी खोह में बिला गई। शायद वह अब भी कहीं पड़ी हो। हो सकता है कि समय के दीमकों ने उसे चट कर दिया हो। एक लंबा समय बेआवाज बीत गया। कम से कम अब तो यही लगता है कि बेआवाज बीत गया। लेकिन कोई समय कहाँ बेआवाज बीतता है। शायद हमारी दौड़ उनकी आवाज से ज्यादा तेज थी इसलिए उनकी पुकार हम तक पहुँच नहीं पाई। या क्या पता, शायद पिता ने पुकारा ही न हो। और यदि पुकारते तो भी क्या हम उन्हें जवाब देने की स्थिति में थे? मेरी दोनों बहनें अपने-अपने परिवारों में पूरी तरह डूबी हुई हैं। बड़े भैया पिछले पाँच सालों से अमेरिका के अलग-अलग शहरों में घूम रहे हैं और मैं यहाँ देश के अलग-अलग शहरों में... मुंबई, बँगलुरू, पुणे, दिल्ली, हैदराबाद और अब पिछले दो महीने से यहाँ नागपुर में। 'चाय पिएँगे', मैंने पूछा। सिर हिलाकर पिता ने नहीं का इशारा किया और नमकीन बिस्किट का पैकेट लाने को कहा। बिस्किट लाने को जब मैं उतरा तो मेरी जगह को ट्रेन की नीली रोशनी ने भर दिया। इक्का दुक्का आदमी ट्रेन में चढ़ उतर रहे थे। कुछ चाय वाले झुँझलाकर अपने अपने अंदाज में 'चाय' या 'कॉफी' चिल्ला रहे थे। उनके लिए चाय या कॉफी बेच लेने से ज्यादा जरूरी लोगों को जगा देना था। और कुछ लोगों को इसमें कामयाबी भी मिल चुकी थी। एक यांत्रिक आवाज बार-बार स्टेशन पर उतरे हुए लोगों का स्वागत कर रही थी। कुछ लोगों की आँखें गाड़ी के रुकने के साथ ही खुल गई थी और वे लेटे-लेटे ही खिड़की से स्टेशन को टोहने की कोशिश कर रहे थे। उनमें से अधिकतर लोगों ने अपने-अपने सामानों के होने की पुष्टि कर ली थी और नजर बचाकर अपने जूते-चप्पल देख रहे थे। यह पूरा दृश्य-व्यापार बोगी के बाहर की पीली रोशनी और बोगी के भीतर की नीली रोशनी में एकसाथ घटित हो रहा था।

मैं बिस्किट का एक बड़ा पैकेट और बोतलबंद पानी लेकर लौटा। बोतलबंद पानी देखकर पिता के तांबई चेहरे पर कुछ दरकता हुआ मैंने महसूस किया क्योंकि उनके हाथ में वाटर बैग था। शायद उसे भरकर लाने के लिए मुझे कहने वाले थे।

'इसे क्यों ले आए? बेकार में दस रुपए खर्च कर दिए', यह उनके चेहरे में ताजा बनी हुई दरार से फूटती हुई एक आवाज थी, 'वाटर बैग तो था ही।'

मैं बोलते-बोलते रह गया कि पानी अब दस नहीं पंद्रह रुपये में मिलता है और स्टेशन में तो अठारह-बीस रुपए तक देने पड़ते हैं।

पिता बिस्किट खाने लगे। और इस दौरान उनकी आँखें इधर-उधर देखती रही। मैंने गौर से उनका चेहरा देखा। ताँबे का लोटा बहुत दिनों तक संदूक में बंद हो या उपयोग में न लाया जा रहा हो तो उस पर एक हल्की हरी परत चढ़ जाती है। पिता के तांबई चेहरे पर भी थकान की परत चढ़ चुकी थी। उनके चेहरे में कुछ बुझ रहा था। वे उस शहर में रह रहे थे जहाँ हमारा बचपन बीता । मैंने बहुत आग्रह किया कि वे हमारे साथ रहें लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। हालाँकि ऐसा बिल्कुल नहीं था कि उन्हें अपने शहर से बहुत मोह हो या व्यापार बहुत फैला हुआ हुआ हो या बहुत संपत्ति हो जिसकी सतत निगरानी जरूरी हो। वह उनका पैतृक शहर था भी नहीं। बारह की उम्र में ही गरीबी से त्रस्त होकर वे अपने गाँव से जो भागे तो भटकते-भटकते आखिरकार उस औद्योगिक नगरी में पैर टिकाया, जहाँ वे अभी रह रहे थे। उनकी जिंदगी के चालीस से अधिक वर्ष उसी शहर में बीते थे। इन वर्षों में उन्होंने कारखाने में बोझा ढोया, हथौड़ा चलाया, सलाखें बनाई, हम भाई-बहनों को पाला-पोसा, पढ़ाया-लिखाया और अपनी पहुँच से आजाद कर दिया। या क्या पता, शायद हम ही उनकी पहुँच से आजाद होते चले गए। वे वहीं रह गए। माँ के बाद तो बिल्कुल अकेले।

'घर कब तक बना लोगे', पिता ने पूछा।

'एक फ्लैट देखा है। अच्छी जगह पर है। कुछ पैसे जमा किए हैं। बाकी पैसों के लिए लोन ले रहा हूँ।' फ्लैट की कीमत और लोन की राशि जान-बूझकर मैंने नहीं बताई और न ही इस बारे में उन्होंने कुछ पूछा।

'उधार उधार ही होता है, फिर चाहे उसका नाम लोन ही क्यों न हो', पिता ने मेरी युक्ति के उत्तर में धीमी साँस छोड़ते हुए कहा। हालाँकि हमारे समय में उनकी युक्ति में कोई दम नहीं था। मैं जान रहा था कि वे अपना घर न बना पाने का स्पष्टीकरण दे रहे हैं। हम बचपने से ही किराये के मकान में रहे। पिता आज भी किराये के मकान में रह रहे हैं। वैसे मेरे फ्लैट लेने के फैसले से उन्हें दिली तौर पर खुशी ही हुई थी। यह मैं बहनों के मार्फत जानता था। वे इधर चलकर हम दोनों भाइयों की बजाय अपनी लड़कियों से थोड़ा ज्यादा अनौपचारिक हो गए थे। लेकिन इस वक्त उनके भीतर एक अदद घर न बना पाने की अक्षमता सिर उठा रही थी।

मैंने पिता की समझाइश का कोई जवाब नहीं दिया। केवल इस अंदाज में सिर हिलाया जिसका अर्थ न तो सहमति होता है और न ही इनकार। और उनके लहजे पर गौर किया। उनकी आवाज में आदेश नहीं था, याचना का पुट था। सत्तर पार पिता क्या याचक हो जाता है! यह प्रश्न मुझे चीरते हुए निकल गया और में नजर बचाकर नीली लाइट की ओर देखने लगा, जिसके इर्द-गिर्द चार-पाँच कीड़े उड़ रहे थे।

पिता कुछ टूटे-फूटे वाक्य कहते और फिर चुप हो जाते। उनकी आवाज में पहले वाली खनक नहीं थी। मुझे उनकी चुप्पी खल रही थी। हालाँकि वह कुलीन चुप्पी नहीं थी। वे कुलीन कभी नहीं रहेऔर न ही ऐसी कोई चाह उनके भीतर थी। हमने जीवन भर उन्हें अपने हिस्से में कुछ न कुछ कटौती करते हुए ही देखा। लेकिन हमें उनके द्वारा हमारे हिस्से की कटौती कभी अच्छी नहीं लगी। बचपन से जूते की जिद जब कॉलेज के दिनों में पूरी हुई, तब तक हमने यह धारणा बना ली थी कि वे हमें दूसरे पिताओं की तरह प्यार नहीं करते। हमारे घर में कभी ढंग के पर्दे नहीं लटके और न ही हमने पूरे परिवार के साथ मिलकर कभी कुल्फी, चाट या गोलगप्पे खाये। अधिक से अधिक वे हम भाई बहनों में से किसी एक या दो को अलग से चाट या कुल्फी खिला दिया करते थे, वह भी तब जब वे कभी अपने काम से हमें बाहर ले जाते थे।

मैंने गौर किया कि पिता ने अपनी बर्थ पर चादर नहीं बिछाई है। जुलाई की लगातार बारिश से मौसम काफी ठंडा हो गया था और पिता ठंड से अच्छे खासे डरने वाले व्यक्ति थे। मुझे अच्छी तरह याद है कि ठंड के दिनों में शौच के लिए जाते वक्त भी, अगर संभव हो तो, वे पानी गर्म करवा लिया करते थे। लेकिन अभी एक मटमैली धोती, कुर्ता और एक भूरे रंग की पुरानी स्वेटर पहने अपनी सीट पर सिकुड़े-दुबके हुए-से बैठे थे।

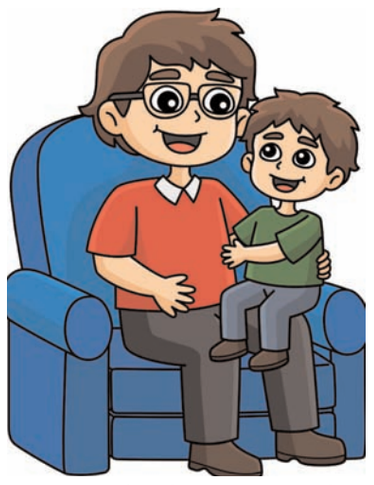

'बिस्तर क्यों नहीं बिछाया?' 'कुछ नहीं, बस ऐसे ही, नींद नहीं आ रही थी।' 'नींद नहीं आ रही थी तो भी, चादर तो बिछा ही लेना चाहिए था न। देखो तो, सीट कितनी ठण्डी हो गई है!' 'रहने दो, बाद में बिछा लूँगा।' 'बाद में बिछा लूँगा का क्या मतलब? लाओ चादर निकालो', और मैं सीट के नीचे से उनका बरसों पुराना बैग, जिसके साथ ही वे अपनी यात्रा करते थे, खींचने लगा। 'नहीं रहने दो, सीट में कोई और भी बैठा है।' 'कोई और भी क्यों? सीट तो आपकी ही है न?' 'हाँ, सीट तो मेरी ही है। लेकिन उसे रिजर्वेशन नहीं मिला। और फर्श तो तुम देख ही रहे हो, कीचड़ कीचड़ है। और फिर वह मुझसे भी अधिक उम्र वाला है... बीमार और कमजोर भी...', पिता लगभग रिरियाते हुए कह रहे थे जैसे उनके ही कारण उसे बर्थ न मिली हो।

'कहाँ से वह आपकी आधी सीट पर कब्ज़ा जमाए हुए है?' 'काजीपेठ से...' 'अभी वह कहाँ गया है?' मैंने थोड़ी झल्लाहट के साथ पूछा। पिछले बारह घंटे से पिता सीट के एक कोने में मुड़े-तुड़े बैठे थे। मुझे पिता पर नहीं, उस आदमी पर गुस्सा आ रहा था। उम्र न सही, पिता की सेहत का ख्याल तो उसे रखना था! पिता के हृदय में तीन ब्लॉकेज थे और ऐसा नहीं हो सकता कि उसे यह बात अब तक न मालूम हो। मुझे गुस्सा अपने ऊपर भी आ रहा था और बॉस पर भी। टिकट तो हवाई जहाज से ही था। लेकिन मेरा न जाना जानकर पिता ने अकेले हवाई जहाज से सफर करने से इनकार कर दिया। मजबूरन रेल की टिकट लेनी पड़ी। ए.सी. की टिकट मिली ही नहीं। यही टिकट बहुत मुश्किल से मिली थी।

अपनी झल्लाहट और बेबसी को किसी तरह काबू में रखते हुए मैंने कहा, 'कम से कम चादर तो बिछा लो। सीट की ठंडक से राहत मिलेगी। कहाँ है चादर?' मैं फिर हठ पर उतर आया था। 'नहीं...नहीं..., रहने दो आधी सीट पर चादर बिछाना अच्छा नहीं लगेगा', पिता ने याचना भरी आपत्ति जताई। 'तो पूरी सीट पर चादर बिछा लो। अब जब उसे आधी सीट दे ही दी है तो चादर पर भी बैठने दो।' मैं फिर बैग खींचने लगा। 'रहने दो, पाँच घंटे ही तो रह गए हैं।' 'पाँच घंटे आधी रात से सुबह तक के हैं। गाड़ी जब आमगाँव के बाद के जंगल से गुजरेगी तो ज्यादा ठंड लगेगी। चादर कहाँ है?' इस बार मैंने थोड़ी कड़ाई से पूछा। चादर मत बिछाओ। बेवजह धोबी को देना होगा। अभी ज्यादा गंदा नहीं हुआ है।' 'ज्यादा गंदा नहीं हुआ है तो धोबी को क्यों देना पड़ेगा? घर में ही धुलवा लेना।' 'असल में... वो आदमी...', पिता ने अटकते हुए कहा, '...मुसलमान है...' छपाक... जैसे झील में कोई पत्थर गिरा था। गाड़ी ने लंबी सीटी दी और मैं बिना कुछ कहे आश्चर्य से उनके चेहरे को देखता हुआ बोगी से नीचे उतर गया। उतरते हुए बाथरूम के पास खड़े उस आदमी को भी देखा। वह एक ओर सरककर खड़ा था और पिता से भी ज्यादा बीमार लग रहा था। उसकी दाढ़ी बेतरतीब थी। गाड़ी अब सरकने लगी थी। एक पल के लिए खिड़की के जँगले के अंतराल में पिता और मेरी नजर मिली और तुरंत इधर-उधर बिखर गई। गाड़ी जा चुकी थी। मैं बाहर की ओर बढ़ गया, यह विचारता हुआ कि क्या यही मेरे कर्मकांडी पिता थे, जो आज भी होटल से पका अन्न ग्रहण नहीं करते? हो सकता है इस पूरी यात्रा में छूत के भय से उन्होंने एक कप चाय तक न पी हो। मैं कुछ भी नहीं समझ पा रहा था।

बूँदा-बाँदी फिर होने लगी थी। पार्किंग की ओर बढ़ते हुए मैंने सिगरेट निकाल ली और सोचा कि सुलगाऊँ या नहीं। पिछले तीन घंटे से मैंने एहतियातन सिगरेट नहीं पी थी। सिगरेट की महक वाला मुँह लिए क्या पिता के पास जाना अच्छा होता?

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

को जागर्ति?

कल शरद पूर्णिमा सम्पन्न हुई। इसे कौमुदी पूर्णिमा अथवा कोजागरी के नाम से भी जाना जाता है। अश्विन मास की पूर्णिमा, शरद पूर्णिमा कहलाती है। शरद पूर्णिमा अर्थात द्वापर में रासरचैया द्वारा राधारानी एवं गोपिकाओं सहित महारास की रात्रि, जिसे देखकर आनंद विभोर चांद ने धरती पर अमृतवर्षा की थी।

चंद्रमा की कला की तरह घटता-बढ़ता-बदलता रहता है मनुष्य का मन भी। यही कारण है कि कहा गया, 'चंद्रमा मनसो जातः।' यह समुद्र मंथन से लक्ष्मी जी के प्रकट होने की रात्रि भी है। समुद्र को मथना कोई साधारण कार्य नहीं था। मदरांचल पर्वत की मथानी और नागराज वासुकि की रस्सी या नेती, कल्पनातीत है। सार यह कि लक्ष्मी के अर्जन के लिए कठोर परिश्रम के अलावा कोई विकल्प नहीं।

लोकमान्यता है कि कोजागरी की रात्रि लक्ष्मी जी धरती का विचरण करती हैं और पूछती हैं, 'को जागर्ति?'.. कौन जग रहा है?..जगना याने ध्येयनिष्ठ और विवेकजनित कर्म।

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान का उवाच है,

या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी।
यस्यां जाग्रति भूतानि सा निशा पश्यतो मुनेः।। (2.69)

सब प्राणियोंके लिए जो रात्रि के समान है, उसमें स्थितप्रज्ञ संयमी जागता है और जिन विषयोंमें सब प्राणी जाग्रत होते हैं, वह मुनिके लिए रात्रि के समान है । सब प्राणियों के लिए रात क्या है? मद में चूर होकर अपने उद्गम को बिसराना,अपनी यात्रा के उद्देश्य को भूलना ही रात है। इस अंधेरी भूल-भुलैया में बिरले ही सजग होते हैं, जाग्रत होते हैं। वे निरंतर स्मरण रखते हैं कि जीवन क्षणभंगुर है, हर क्षण परमात्म तत्व को समर्पित करना ही लक्ष्य है। इन्हें ही स्थितप्रज्ञ कहा गया है।

साधारण प्राणियों का जागना क्या है? उनका जागना भोग और लोभ में लिप्त रहना है। मुनियों के लिए दैहिकता कर्तव्य है। वह पर कर्तव्यपरायण तो होता है पर अति से अर्थात भोग और लोभ से दूर रहता है। साधारण प्राणियों का दिन, मुनियों की रात है।

अब प्रश्न उठता है कि सर्वसाधारण मनुष्य क्या सब त्यागकर मुनि हो जाए? इसके लिए मुनि शब्द का अर्थ समझना आवश्यक है। मुनि अर्थात मनन करनेवाला, मननशील। मननशील कोई भी हो सकता है। साधु-संत से लेकर साधारण गृहस्थ तक।

मनन से ही विवेक उत्पन्न होता है। दिवस एवं रात्रि की अवस्था में भेद देख पाने का नाम है विवेक। विवेक से जीवन में चेतना का प्रादुर्भाव होता है। फिर चेतना तो साक्षात ईश्वर है। ..और यह किसी संजय का नहीं स्वयं योगेश्वर का उवाच है।

वेदानां सामवेदोऽस्मि देवानामस्मि वासवः।
इंद्रियाणां मनश्चास्मि भूतानामस्मि चेतना।। (10.22)

श्रीमद्भगवद्गीता में ही भगवान कहते हैं कि मैं वेदों में सामवेद हूँ, देवों में इंद्र हूँ, इंद्रियों में मन हूँ और प्राणियों की चेतना हूँ। जिसने भीतर की चेतना को जगा लिया, वह शाश्वत जागृति के पथ पर चल पड़ा। 'को जागर्ति' के सर्वेक्षण में ऐसे साधक सदैव दिव्य स्थितप्रज्ञों की सूची में रखे गए।

बोध कथा

भूतिया ढाबा

एक दिन बच्चों ने पिकनिक जाने की बात कही। यह सुनते ही अंकिता की रूह कांप गई, क्योंकि उसे एक पुराना किस्सा याद आ गया। ये बात तब कि है जब अंकिता 10वीं क्लास में पढ़ रही थी। एक दिन टीचर ने पिकनिक का प्लान बनाया था। अपने सभी दोस्तों के साथ अंकिता ने भी जाने के लिए हां कर दी। पिकनिक पर जाना था पावागढ़। पूरा स्कूल पिकनिक जा रहा था, इसलिए करीब 30 बस सभी बच्चों को ले जाने के लिए तैयार थी।

अंकिता अपने दोस्तों के साथ सबसे पीछे वाली बस में बैठ गई। सभी हंसते-मस्ती करते हुए बस से जा रहे थे। तभी कुछ दूर जंगल के पास पहुंचकर उसी बस से तेज आवाज आई। ये वक्त रात के करीब डेढ़ बजे का था। ड्राइवर गाड़ी से बाहर निकला, तो उसे पता चला कि टायर फट गया है।

ड्राइवर ने सबसे कहा कि बस का टायर बदलने में करीब दो घंटे लगेंगे आप सब नीचे उतर जाइए। मैं इसे बदल देता हूं। आप लोग पास के ढाबे में जा सकते हैं। वहां गर्म-गर्म चाय पी लीजिए और मैं इस टायर को फटाफट बदलने की कोशिश करता हूं। ड्राइवर की बात सुनकर सभी बस से उतर गए और पैदल चलते हुए पास के ढाबे में पहुंचे। वहां एक बूढ़ा व्यक्ति चाय बना रहा था। इतनी रात को ढाबा खुला हुआ और किसी इंसान को चाय बनाते देख सबको हैरानी हुई।

उस बूढ़े इंसान ने कहा, आप सब चाय पी लीजिए। यहां अक्सर लोगों की गाड़ी खराब हो जाती है, इसलिए मैं भी अपना ढाबा हरदम खुला रखता हूं। आप जैसे राहगिरों को कुछ मदद हो जाती है।

उनकी बात सुनकर सबने चाय का ऑर्डर दे दिया। उन्होंने कुछ ही देर में सबके लिए चाय बनाकर मेज पर रख दी। चाय पीते हुए अंकिता की आंखें एकदम ढाबे की छत की तरफ गई। वहां अंकिता ने एक औरत को सफेद रंग की साड़ी में खुले बाल लहराते हुए देखा। कुछ देर बाद वो जोर-जोर से हंसने लगी। भले ही हंसने की आवाज किसी को सुनाई नहीं दे रही थी, लेकिन अंकिता ने उसे मुंह खोलकर हंसते हुए देखा था।

ये सब देखकर अंकिता ने डर के मारे आंखें नीचे झुका लीं। कांपते हुए किसी तरह से अंकिता ने चाय दोबारा पीना शुरू ही किया थी कि उसी वक्त जोर-जोर से किसी के चिल्लाने की आवाज जंगल की ओर से आई। ढाबे में बैठे हुए सभी बच्चे और टीचर उस आवाज को सुनकर डर गए। सबको डरा हुआ देखकर उस बूढ़े इंसान ने कहा कि मैं देखकर आता हूं क्या हुआ है। आप लोग यहीं बैठे रहो। इतना कहकर वो आवाज की तरफ बढ़ गया।

तभी एक लड़की को खून की उल्टी लगातार होने लगी। उसको देखकर सबकी हालत और खराब हो गई। उसी समय एक टीचर ने कहा कि तुम सब आग जलाओ और उसके बगल में बैठ जाओ। सबने मिलकर आग जलाई और गोल घेरा करके बैठ गए। टीचर ने सख्त लहजे में सबसे कह दिया कि अकेले कोई कहीं नहीं जाएगा। वैसे भी सब इतना डरे हुए थे कि अकेले कहीं जाने की हिम्मत हो नहीं रही थी। आग के पास बैठे-बैठे तीन बज गए। तब कहीं जाकर वो बूढ़ा इंसान जंगल से लौटकर आया। उसने सबकी तरफ देखा और कहा कि उस चीख को सब भूल जाना, नहीं तो जीना मुश्किल हो जाएगा। इतना कहकर वो ढाबे के अंदर चला गया गया। तभी ड्राइवर भी टायर बदलकर बस लेकर ढाबे के पास पहुंचा। सभी लोग भगवान का नाम लेते हुए उस बस में बैठ गए।

टीचर ने बस में बैठते ही सबको कहा कि कोई एक दूसरे से बात नहीं करेगा। सीधे सब सो जाओ। टीचर की बात मानकर सब चुपचाप बस में ही सो गए। उसके बाद पिकनिक स्पॉट पर पहुंचे और करीब एक हफ्ते बाद घूमकर आ गए। पिकनिक में किसी ने दूसरे बस के बच्चों से उस रात के बारे में कुछ नहीं कहा, क्योंकि टीचर ने मना किया। लेकिन, पिकनिक से लौटते ही सबने अपने दोस्तों और दूसरी क्लास वालों को इस भूतिया घटना के बारे में बताया। आज पिकनिक का नाम सुनते ही यही भूतिया ढाबे की कहानी अंकिता के मन में आ गई और बच्चों को पिकनिक भेजने से उसे डर लगने लगा।

वीर गाथा

राइफलमैन कुलभूषण मांटा: निडर और प्रतिबद्ध सैनिक, कर्तव्य के लिए दिया बलिदान

राइफलमैन कुलभूषण मांटा का जन्म साल 1996 में हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के गौंठ में माता दुरमा देवी और पिता प्रताप के घर में हुआ था। वे तीन बहनों के भाई थे। देश के अनेक युवाओं की तरह कुलभूषण का भी सपना था कि वे सेना में भर्ती होकर भारत मां की सेवा करें। उनका यह सपना साल 2014 में पूरा हुआ।

कुलभूषण को जम्मू और कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट की 18 जेएके रिफ़ बटालियन में शामिल किया गया। कुछ साल यहां सेवा देने के बाद उन्हें 52 आरआर बटालियन में भेज दिया गया। वहां उन्हें जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों को अंजाम देने वाली टीम में शामिल किया गया।

अक्टूबर 2022 में कुलभूषण जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में तैनात थे। यहां एलओसी पर आतंकवादियों की घुसपैठ की घटनाएं हो रही थीं। इसके अलावा पाकिस्तान फौज की ओर से अचानक गोलीबारी भी की जाती थी।

एक दिन सुरक्षा बलों को अपने खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि बारामूला जिले के वाशरन गांव में कुछ आतंकवादी छुपे हुए हैं। इसके बाद 26 अक्टूबर को बलों ने तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू कर दिया। कुलभूषण भी उस टीम का हिस्सा थे।

जैसे ही बलों के जवान उस गांव के जंगल के इलाके की ओर बढ़े, आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके जवाब में जवानों ने भी गोलीबारी की। चूंकि आतंकवादी पहले से ही छुपे हुए थे, इसलिए उनके हमले का जवानों को ज्यादा खतरा था।

इसके मद्देनजर कुलभूषण ने आगे बढ़ते हुए जिम्मेदारी ली। इस दौरान वे भीषण गोलीबारी से घायल हो गए। अब तक जवानों को यह पता चल गया कि आतंकवादियों ने कहां-कहां अपने ठिकाने बना रखे हैं।

वहीं, गंभीर रूप से घायल कुलभूषण को बेस अस्पताल, श्रीनगर में भर्ती कराया गया। वहां वे 27 अक्टूबर को वीरगति को प्राप्त हो गए। राइफलमैन कुलभूषण मांटा एक निडर और प्रतिबद्ध सैनिक थे, जो अपने कर्तव्य के लिए बलिदान हो गए। उन पर देश हमेशा गर्व करेगा। उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

नियुक्ति पत्र

पटना में केंद्रीय पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह शनिवार को पटना में रेलवे ऑफिसर्स क्लब, महेंद्रू घाट में रोजगार मेला के दौरान एक उम्मीदवार को नियुक्ति पत्र देते हुए।

इजराइल-हमास संघर्ष के बीच ब्रिटेन में यहूदी विरोधी, इस्लाम विरोधी घृणा अपराध के मामले बढ़े

लंदन/भाषा। इजराइल और हमास के बीच इस महीने की शुरुआत से संघर्ष तेज होने के बाद से लंदन में यहूदी विरोधी एवं इस्लाम विरोधी घृणा अपराध के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस शनिवार को लंदन की सड़कों पर होने वाले एक और प्रदर्शन से निपटने की तैयारी कर रही है। मेट्रोपोलिटन पुलिस ने बताया कि इस महीने ब्रिटेन में यहूदी विरोधी अपराध के 408 मामले दर्ज किए गए, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह संख्या 28 थी और इस महीने इस्लाम विरोधी घृणा अपराध के अब तक 174 मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि अक्टूबर 2022 में यह संख्या 65 थी। पुलिस बल ने इजराइल-गाजा संघर्ष से जुड़े मामलों में 75 लोगों को गिरफ्तार किया है और इसके अधिकारी आतंकवाद से निपटने संबंधी कानूनों के कथित उल्लंघन के 10 मामलों की जांच कर रहे हैं।

मेट्रोपोलिटन पुलिस कमांडर काइले गॉर्डन ने इस सप्ताह के अंत में लंदन में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शनों और मार्च का जिक्र करते हुए कहा, ''हम कानून के दायरे में रहकर पुलिस कार्रवाई करेंगे।''

गार्डन ने आम लोगों से अपील की कि यदि वे कोई अपराध होते देखें, तो अपने निकटवर्ती पुलिस अधिकारी को तत्काल इसकी सूचना दें। इससे पहले हुए प्रदर्शनों में ''जिहाद'' के नारे लगाए गए थे, जिन्हें देश के मंत्रियों ने अस्वीकार्य बताया था।

स्वागत

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ओडिशा के राज्यपाल पद के लिए नवचयनित रघुबर दास का शनिवार को झारखंड के जमशेदपुर स्थित उनके आवासीय कार्यालय में पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित जमुना टुडू और अन्य लोग स्वागत करते हुए।

दुनिया भारत को संकटमोचक के रूप में देख रही है : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया को शांति, सौहार्द और कल्याण की राह दिखाने वाला देश बन चुका है। दुनिया आज भारत को संकटमोचक के रूप में देख रही है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम आजादी के अमृत काल के प्रथम वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगले 25 साल के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने हमें पंच प्रण का विराट संकल्प दिया है; हर देशवासी इस संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा तो निश्चित ही भारत आने वाले वर्षों में दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में सबके सामने होगा।एक बयान के मुताबिक ये बातें शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'मेरी माटी मेरा देश- अमृत कलश यात्रा' के राज्य स्तरीय आयोजन के दौरान कही।

मुख्यमंत्री ने इससे पहले गोमती तट स्थित वसुधा वंदन अमृत वाटिका, झूलेलाल पार्क में आयोजित कार्यक्रम में लगी चित्र प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

कार्यक्रम के दौरान संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से 'मेरी माटी मेरा देश' पर आधारित लघु चलचित्र का प्रदर्शन किया गया। वहीं, मुख्यमंत्री ने 'माटी को वंदन, वीरों को नमन' कार्यक्रम में प्रदेशभर से अमृत कलश लेकर लखनऊ पहुंचे स्वयंसेवकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार पूरा देश राष्ट्रीय आयोजनों में एकजुट होकर इसका हिस्सा बन रहा है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के हर घर पर तिरंगा फहराया गया। साबरमती के तट पर 21 मार्च 2021 को जिस अमृत महोत्सव का प्रधानमंत्री मोदी ने शुभारंभ किया उसका विराट स्वरूप हमें 15 अगस्त 2023 को देखने को मिला।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के गांव-गांव, विकास खंड और नगर निकायों से अमृत कलश के जरिए मातृभूमि का वंदन और वीरों को नमन करते हुए यहां पहुंचे सभी कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर प्रदेश में आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रमों का जिक्र करते हुए इसे सराहनीय प्रयास बताया।

फिल्म 'सर्वगुण संपन्न' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की आने वाली फिल्म सर्वगुण संपन्न का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। निर्माता-निर्देशक अजय श्रीवास्तव और यश कुमार की फिल्म सर्वगुण संपन्न का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है, जिसमें यश कुमार और अभिनेत्री प्रियंका रेवरी नजर आ रही है। इस फिल्म का निर्माण अजय श्रीवास्तव प्रोडक्शंस के बैनर से हुआ है। इस फिल्म का ट्रेलर जल्द ही कैप्टन वीडियो के ऑफिशल यूट्यूब चैनल से रिलीज होने वाला है। यश कुमार ने कहा कि सर्वगुण संपन्न बेहद सामाजिक और पारिवारिक फिल्म है, जिसमें संस्कार के साथ-साथ मनोरंजन के सारे इंग्रेडिएंट्स मौजूद हैं। फिल्म की शूटिंग बड़े पैमाने पर हुई है। यह फिल्म जब सिनेमाघर में रिलीज होगी तो दर्शक इसे खूब पसंद करने वाले हैं। फिल्म की कहानी ने मेरा दिल जीत लिया था जिसके बाद मैंने यह फिल्म की और उम्मीद करता हूं कि भोजपुरी के सभी दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघर में जाकर देखेंगे और हमें खूब सारा प्यार और आशीर्वाद देंगे। उन्होंने कहा कि कहानी और संगीत के मामले में फिल्म का कोई जोर नहीं। वही इसका स्क्रीन प्ले भी दर्शकों को अपनी और खूब आकर्षित करेगा।

अजय श्रीवास्तव ने बताया कि फिल्म सर्वगुण संपन्न में सभी कलाकारों ने अपना शत प्रतिशत दिया है।

शाह ने राहुल और प्रियंका पर साधा निशाना : कहा-इटली मूल के लोग मोदी सरकार के विकास को नहीं समझेंगे

छिंदवाड़ा (मप्र)/भाषा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि एक भाई और बहन की जोड़ी जिनकी 'मूल उत्पत्ति इटली में है', नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किये गये विकास को नहीं समझ पायेंगे। चुनावी राज्य मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारत के लोग विकास को स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं। उन्होंने अन्य उपलब्धियों के बीच राम मंदिर के निर्माण और अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का भी उल्लेख किया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद ने आरोप लगाया कि जब दुनिया भारत की विकास गाथा की प्रशंसा कर रही है, तब कांग्रेस को देश में कोई सकारात्मकता नजर नहीं आ रही है।शाह ने कहा, ''भाई-बहन (राहुल गांधी और प्रियंका गांधी-वाद्रा) चुनाव वाले राज्यों में घूमते हुए पूछते रहते हैं कि (भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र द्वारा) क्या किया गया है, लेकिन वे इसे (विकास को) नहीं समझ पाएंगे क्योंकि उनका मूल स्थान इटली में है। जिनका मूल भारत में है, वे इसे स्पष्ट रूप से समझेंगे।'' छिंदवाड़ा को मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का गढ़ माना जाता है। कमलनाथ मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मैदान में हैं। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि ''राहुल बाबा भाजपा पर मंदिर वहीं बनायेंगे पर तारीख नहीं बतायेंगे कहकर तंज कसते थे। अब देखिए, मोदी जी ने न सिर्फ मंदिर बनाया बल्कि तारीख भी बता दी। राहुल जी बस वहां जाएं और संतुष्टि पाने के लिए आशीर्वाद मांगें।'' एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चित्रकूट में कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर जल्द ही बनकर तैयार हो जाएगा और साथ ही उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए उन्हें दिए गए निमंत्रण का भी जिक्र किया था, जो 22 जनवरी को होने की उम्मीद है।

प्रदर्शनी

हैदराबाद में अभिनेत्री लहरी शैरी, मॉडल और फैशन प्रेमी शनिवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स में हिललाइफ एक्जीबिशन द्वारा आयोजित दिवाली उत्सव विशेष प्रदर्शनी की भव्य तारीख की घोषणा के अवसर पर।

कंगना रनौत ने की तनु वेड्स मनु-3 की घोषणा, विजय सेतुपति संग करेंगी काम

मुंबई/एजेन्सी

कंगना रनौत ने फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है। कंगना रनौत ने बताया फैंस को जल्द ही 'तनु वेड्स मनु' का तीसरा पार्ट देखने को मिलने वाला है। एक्ट्रेस ने बताया कि वह आने वाले समय में तीन प्रोजेक्ट्स पर काम करने वाली हैं, उनमें से एक ढरपीं थशवी चरपीं 3 है। वहीं उन्होंने साउथ स्टार विजय सेतुपति के साथ भी फिल्म साइन करने के बारे में बताया है। कंगना से खचउऊल के साथ इंटरव्यू में उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में सवाल किया गया था। जिस पर उन्होंने कहा, मैं विजय सेतुपति सर के साथ एक थ्रिलर शुरू कर रही हूं और एक फिल्म जिसका नाम 'नोटी बिनोदिनी' है। एक और फिल्म जिसका नाम 'तनु वेड्स मनु 3' है। 'तनु वेड्स मनु' के तीसरे पार्ट की घोषणा एक बड़ा सरप्राइज है। क्योंकि इससे पहले फिल्म के डायरेक्टर निर्देशक आनंद एल राय ने फिल्म के तीसरे पार्ट के लिए मना कर दिया था। 2015 के एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, मैं तीसरा भाग सिर्फ इसलिए नहीं बनाऊंगा क्योंकि यह एक ब्रांड है, या क्योंकि यह काम करेगा। इसे एक सीरीज की तरह न मानें। अभी, कोई पार्ट थ्री नहीं है। मुझे लगता है कि कम से कम अभी के लिए मैंने किरदारों का काम पूरा कर लिया है।

फिल्म के डायरेक्टर के अलावा लीड एक्टर आर माधवन ने भी तीसरे पार्ट को लेकर इनकार किया था। उन्होंने कहा था कि अब उन्हें नहीं लगता वह मनु का किरदार कर सकते हैं। इसके साथ ही एवेंजर की सीरीज से तुलना करते हुए एक्टर ने कहा था कि इसका तीसरा पार्ट बनाने का कोई फायदा नहीं है। बता दें कि कंगना रनौत को इस फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। कंगना इस वक्त अपनी फिल्म 'तेजस' को लेकर चर्चा में हैं। ये फिल्म 27 अक्टूबर को रिलीज हुई है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म असफल हो गई है। इसके बाद वह फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आएंगी, ये फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर आधारित है।

हरिद्वार में शनिवार को शरद पूर्णिमा के अवसर पर हर की पैड़ी पर गंगा में पवित्र स्नान करने के बाद अनुष्ठान करते श्रद्धालु।

वेब सीरीज 'चांद चकोर' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

वेबसीरीज चांद चकोर का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। सच्ची घटना पर आधारित कहानी वाली रोमांटिक वेब सीरीज चांद चकोर का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है। यह सीरीज एभीएन फिल्म्स ओटीटी पर 10 नवंबर को रिलीज होगी। फिल्म की कहानी बिहार की है और इसे हाजीपुर के महनार में शूट किया गया है।रोमांटिक वेब सीरीज चांद चकोर के निर्माता रमेन्द्र कुमार सहनी हैं, जबकि सह निर्माता गीता कुमारी हैं और निर्देशक नीरज सिन्हा हैं। नीरज सिन्हा ने बताया कि यह रियल बेस्ड स्टोरी पर बनी सीरीज है, जिसकी कहानी हरि नाम के किरदार के आसपास है, जिसे अपने ही गांव की लड़की से प्यार हो जाता है। लेकिन यह रूढ़िवादी समाज को कहां मंजूर, सो प्यार के साथ कहानी में एक्शन की भी एंट्री होती है। इस सीरीज की कहानी बेहद इंटरेस्टिंग है, उम्मीद है सभी दर्शकों को पसंद आएगी। वहीं, फिल्म को लेकर निर्माता रमेन्द्र

कुमार सहनी ने कहा कि फिल्म की कहानी बिहार की है, तो हमने अपनी फिल्म में बिहार को जीवंत करने के लिए लोकेशन हाजीपुर चुना और इस सीरीज में बिहार के कलाकारों को मौका भी दिया। उन कलाकारों से मुंबई के कलाकारों के साथ मिलकर एक बेहतरीन आउट पुट मिला।उम्मीद है फिल्म लोगों को पसंद आएगी। चांद चकोर में मनोज कुमार राव, स्मृति कश्यप, मनोहर तेली, सत्यम, रौशन आर्या, पिंकी सिंह, सरविंद्र कुमार, यादव विकास राज मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्मकार के रूप में मेरा काम दुनिया को थोड़ा बेहतर बनाना है : विधु विनोद चोपड़ा

नयी दिल्ली/भाषा

फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा का मानना है कि फिल्मों को किसी व्यावसायिक मॉडल की तरह नहीं, बल्कि बदलाव के स्रोत के रूप में काम करना चाहिए। चोपड़ा '12वीं फेल' के साथ तीन साल बाद बड़ी स्क्रीन पर वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म महत्वाकांक्षाओं, समर्पण और असफलताओं से पार पाने की कहानी दशाती है। 'खामोशी', 'परिंदा', '1942 : ए लव स्टोरी' और 'मिशन कश्मीर' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने कभी पैसों को दिमाग में रखकर रचनात्मक फैसले नहीं किए। चोपड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा कि एक कलाकार या फिल्म निर्माता के रूप में उनका काम दुनिया को पहले से थोड़ा बेहतर बनाना है।

उन्होंने कहा, ''इसलिए अगर मैं ऐसी फिल्म बना सकता हूं, जो लोगों के जीवन में थोड़ा सा बदलाव ला सके, तो इससे मुझे प्रेरणा मिलती है। पैसे ने मुझे कभी प्रेरित नहीं किया। मैं 'मुन्नाभाई' 3, 4, 5, 6... बना सकता था और करोड़पति बन सकता था, जो कि मैं नहीं हूं। मैंने विक्रांत मैसी के साथ '12वीं फेल' बनाने का फैसला किया।'' चोपड़ा ने कहा, ''मैंने 'परिंदा' में हिंसा के बारे में बात की। '1942 : ए लव स्टोरी' देशभक्ति पर आधारित थी और 'मिशन कश्मीर' धार्मिक विभाजन पर... मेरी सभी फिल्मों के लिए यह आवश्यक है कि वे कोई संदेश दें।'' '12वीं फेल' आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस (भारतीय राजस्व सेवा) अधिकारी श्रद्धा जोशी की कहानी है। यह अनुराग पाठक के सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास पर आधारित है। फिल्म में मेधा शंकर के साथ मैसी मुख्य भूमिका में हैं। चोपड़ा ने कहा, ''जब मैं 66 साल का था, तब मैंने यह फिल्म लिखनी शुरू की थी और अब मैं 71 साल का हूं। आप इस तरह की फिल्म कुछ महीनों में नहीं लिख सकते। इसमें वर्षों लग जाते हैं, क्योंकि हर किरदार की एक कहानी होती है। यह किसी की जीवनी नहीं है। यह हम में से हर एक की कहानी है...।'' उन्होंने कहा कि यह फिल्म ''जीवन में फिर से शुरुआत'' करने के विचार पर आधारित है। चोपड़ा ने कहा, ''मेरी पत्नी और बच्चों के अलावा मेरा भाई दुनिया में मेरा सबसे करीबी था।

वैश्विक महामारी के दौरान, जब मैं इन फिल्म पर काम कर रहा था, उस समय वह मालदीव में था। उसने मुंबई आने में देरी कर दी और वह जीवित नहीं बच सका। इसने मुझे बहुत प्रभावित किया।'' उन्होंने कहा, ''करीब एक सप्ताह में मुझे एहसास हुआ कि मेरा (इस तरह प्रभावित होना) मेरे आसपास के लोगों के लिए उचित नहीं है। मैं पहले से ही कहानी पर काम कर रहा था और फिर से शुरुआत करने की पूरी अवधारणा तभी मेरे दिमाग में आई।'' चोपड़ा ने कहा कि इस व्यक्तिगत क्षति से उबरने के दौरान उन्हें एहसास हुआ कि जीवन एक वीडियो गेम की तरह है, ''आप हारते हैं, एक बटन दबाते हैं और फिर आगे बढ़ते हैं।''

'द रेलवे मेन' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

सच्ची घटना पर आधारित वेब सीरीज द रेलवे मेन का टीजर रिलीज हो गया है। वर्ष 1984 को भोपाल में एक केमिकल फैक्ट्री से जहरीली गैस लीक हुई, जिसमें हजारों लोगों ने अपनी जान गंवा दी और लाखों लोग प्रभावित हुए। इसी घटना पर वेब सीरीज 'द रेलवे मेन'बनी है, जिसका टीजर रिलीज कर दिया गया है।यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनी वेब सीरीज 'द रेलवे मेन' में आर.माधवन, केके मेनन, बाबिल खान और दिव्येंदु लीड रोल में हैं।

टीजर की शुरुआत आधी रात को फैक्ट्री से लीक हुई गैस से होती है। बैकग्राउंड में कहते सुना जा सकता है, एक हादसा हुआ है, बड़ा हादसा। पुराने भोपाल के एक केमिकल फैक्ट्री से गैस लीक हुआ है। शहर का गला घोंट रहा है। इस वक्त भोपाल जंक्शन मैप से गायब हो गया है। गैस लीक से पीड़ित लोगों की जान बचाने के लिए कई लोग आए और अपनी जान की परवाह किए बिना उन्हें बचाया।शिव रवैल निर्देशित सीरीज 'द रेलवे मेन' 18 नवंबर 2023 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। सीरीज में चार एपिसोड होंगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 29-10-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्रभु महावीर की पावन पवित्र ऐसी जिनवाणी जिसमें प्रभु ने अपनी अंतिम देशना में उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्ययन फरमाए। जिसमे हम आज दसवें अध्ययन को श्रवण कर रहे है। पहली ही गाथा में प्रभु ने फरमाया एक बारे नहीं 36 बार कहा 'समय गोयम मां पमायये'। गलती की है तो माफी मिलेगी पर जीवन के बारे में अगर गलती नहीं करना है तो समय मात्र का भी प्रमाद मत करो। शाल राजा ने अपने बेटे को राज्य सौंप कर दीक्षा लेने निकले तब पुत्र ने पूछा कि आपको इससे भी ज्यादा कुछ अनमोल मिला है तब पुत्र ने भी दीक्षा के लिए आऊंगा मैं भी दीक्षा लूंगा। दोनों ने प्रभु वीर के पास दीक्षा ले ली।

तप साधना ही शक्ति और सिद्धि का स्तोत्र है : देवेंद्रसागरसूरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में नवपद के अंतिम दिन तप पद के ऊपर विवेचना करते हुए आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने कहा कि दबी हुई समर्थता को उभारने के लिए तप एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। वह कष्ट साध्य तो है पर उसके द्वारा होने वाले लाभों को देखते हुए महत्ता इतनी बड़ी है की उसे घाटे का सौदा नहीं कह सकते। व्यामशाला में किया हुआ तप पहलवान बनाता है।पाठशाला में तप करने वाला विद्वान बनता है। खेत का तपस्वी सुसम्पन्न कृषक बनता है। पत्थर को प्रतिमा, काग़ज़ को चित्र बना देने की क्षमता मूर्तिकार के, चित्रकार के तप में सन्निहित है। वे आगे बोले की जैसे लौकिक जीवन में पग-पग पर कठोर श्रम, पुरुषार्थ, साहस, मनोयोग की महत्ता स्पष्ट है। अध्यात्म क्षेत्र में भी यही तथ्य काम करता है। तपस्वी शक्तिशाली बनते हैं और उस तप साधित शक्ति के आधार पर शाश्वत सुख के भोक्ता बनते हैं। मनुष्य के भीतर बहुत कुछ दिव्य, अलौकिक एवं अद्भुत है। उसके उत्खनन के लिए तपश्चर्या अनिवार्य है। प्रकृति ने विभूतियों का भंडार मानवी कलेवर में भर दिया है, पर उससे लाभान्वित होने का अधिकार उसी को दिया है जो तप साधना द्वारा अपनी पात्रता सिद्ध कर सके। समुद्र में अनादि काल से अगणित रत्न भरे पड़े हैं पर उन्हें प्राप्त करने के लिए गहरे में गोता लगाने का साहस करना पड़ता है। कठोर परिश्रम से ही अमूल्य रत्नो की प्राप्ति सहज होती है। जो तप की कष्ट साध्य प्रक्रिया को देखकर डरा, या घबराया उसके लिए विभूतियों ने अपना द्वार बंद ही कर दिया है। सहज ही सब कुछ प्राप्त करने का स्वप्न देखते रहने वाले व्यक्ति ख़ाली हाथ ही रहते हैं। हमें अभीष्ट उद्देश्य के लिए तपस्वी बनने का प्रयत्न करना चाहिए और इस मान्यता को दृढ़तापूर्वक हृदयंगम कर लेना चाहिए की भौतिक उन्नति के लिए जिस प्रकार कठोर श्रम और प्रचंड साहस की, एकाग्र मनोयोग की आवश्यकता पड़ती है उसी प्रकार आत्मिक विभूतियाँ प्राप्त करने के लिए तप साधना की अनिवार्य आवश्यकता रहती है। जो इस मूल्य को चुका सकते हैं वे ही शक्तियों और सिद्धियों से सम्पन्न होते हैं।जैसे बीज का तप वृक्ष के रूप में परिणत होता है। मनुष्य का तप उसे पुरुष से पुरुषोत्तम -आत्मा से परमात्मा बना देता है।

सभी जीवों के दिलों को जीतो : साध्वी चैतन्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम में स्थित एएमकेएम में विराजित मधुर व्याख्यानी चैतन्यश्री जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि प्रभु महावीर की पावन पवित्र ऐसी जिनवाणी जिसमें प्रभु ने अपनी अंतिम देशना में उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्ययन फरमाए। जिसमें हम आज दसवें अध्ययन को श्रवण कर रहे हैं। पहली ही गाथा में प्रभु ने फरमाया एक बार नहीं 36 बार कहा 'समय गोयम मां पमायये'। गलती की है तो माफी मिलेगी पर जीवन के बारे में अगर गलती नहीं करना है तो समय मात्र का भी प्रमाद मत करो। शाल राजा ने अपने बेटे को राज्य सौंप कर दीक्षा लेने निकले तब पुत्र ने पूछा कि आपको इससे भी ज्यादा कुछ अनमोल मिला है तब पुत्र ने भी दीक्षा के लिए आऊंगा मैं भी दीक्षा लूंगा। दोनों ने प्रभु वीर के पास दीक्षा ले ली। वह फिर सोचते कि मैंने भांजे को राज्य देकर संसार में फंसा दिया। तब वह प्रभु से आज्ञा लेकर अपने भांजे को प्रतिबोध देने पहुंचे और उसने भी दीक्षा ले ली। रास्ते से जाते समय तीनों के मन में यही बात आई कि

प्रभु का मार्ग कितना अच्छा है सद्या है सुखद है। ऐसे उत्कृष्ट भाव उनके मन में आए और तीनों को एक साथ केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई। गौतम स्वामी उनके साथ होते हैं फिर भी उन्हें केवल ज्ञान नहीं हुआ। गौतम स्वामी संसार समुद्र के किनारे तक हैं, प्रभु कहते हैं तू मुझ में अटका है तब तक तुझे केवल ज्ञान नहीं हो सकता। गौतम कहते हैं मुझे केवल ज्ञान नहीं चाहिए मुझे आप चाहिए। मैं आपके सामने आपका शिष्य ही बन कर रहूंगा।

कोटा संघ प्रवर्तनी परम पूज्य प्रकाश कवरजी महाराज साहब का आज पुण्य स्मरण दिन है। आज उनके अर्चन पूजन स्मरण का शुभ अवसर है। क्योंकि गुरु गुणगान करने से ज्ञान दर्शन चरित्र संबोधि लाभ की प्राप्ति होकर दर्शन विशुध्दि को दिलाता है। वह हमेशा फरमाते हैं कि निर्जीव वस्तु पर नाम अंकित करने के बजाय सजीव जीवों पर उनके दिलों पर अपना नाम अंकित करो। पूज्य गुरू मां ने संत की परम्परा आगे बढ़ाने का कार्य किया। प्रचार प्रसार समिति के संयोजक गौतमचंद गुगलिया ने बताया कि पूज्य प्रकाश कवरजी का दीक्षा पर्याय 51 वर्ष का था। साध्वीश्री चैतन्यश्रीजी ने उनके मुखारविंद से ही दीक्षा ग्रहण की थी। पुरुषवाक्कम संघ की तरफ से महासतीजी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। रविवार को सुबह शालीभद्र रिद्धि सिद्धि का जाप तथा जैन धर्म पर एक ड्रामा प्रतियोगिता दोपहर में रखी गयी है। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचंद पावेचा ने दी।

शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के चूलै स्थित आदिनाथ जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में शनिवार को दिव्यांग जरूरतमंदों की सहायता के लिए शिविर का आयोजन किया। इसका पूरा लाभ रानुलालजी देवराज प्रकाशचंद गुलेछा ने लिया। अतिथियों के रूप में शांतिलाल कंटेड, शांतिलाल-जैन मेटल्स, प्रकाशचंद गुलेछा, मदनलाल चोवटिया भी उपस्थित थे। लगभग 550 जरूरतमंदों को उनकी जरूरत की वस्तुएं बांटी गई। डॉ. मनोज जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

सिद्ध चक्र पूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां कोयंबतूर के संबन्धम रोड स्थित श्री कोयम्बटूर खरतरगच्छ संघ भवन में आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री स्थविर मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिषप्रभ सागरजी म. सा. चातुर्मासार्थ विराजित है। शनिवार को सुबह नवकार मंत्र जाप और उसके बाद सिद्ध चक्र पूजन का आयोजन किया गया। इस पूजन में संतों ने विधि पूर्वक जैन धर्म में पूजन की महिमा बताकर मंत्र उच्चारण से सब तीर्थंकर देवी देवताओं और इष्ट देव को भाव पूर्वक मंत्र उच्चारण से पूजन करवाया। सबका स्वागत संघ अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा ने किया संचालन सचिव श्याम सुंदर लूनिया ने किया और धन्यवाद ज्ञापन युवक परिषद के अध्यक्ष प्रकाश बोथरा ने दिया।इस पूजन के लाभार्थी परिवार का संघ द्वारा सम्मान किया गया।

राजेश बोहरा बने अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां कोयंबटूर स्थानकवासी जैन संघ के 59वें वार्षिक साधारण सभा का आयोजन हाल ही में संपन्न हुआ। संघ के अध्यक्ष राजेश बोहरा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में संघ की उपसमितियों के पदाधिकारियों ने अपनी अपनी समितियों की रिपोर्ट पेश की। संघ द्वारा नियुक्त मुख्य चुनाव अधिकारी ज्ञानचंद चोरड़िया ने संघ की चुनाव प्राणली अंतर्गत सन् 2023-2025 के लिए निम्न पदाधिकारियों को निर्वाचित घोषित किया।

जिसमें अध्यक्ष पद के लिए पुन: राजेश बोहरा को चुना गया। वहीं उपाध्यक्ष रतन चंद बोथरा, सचिव सुनील हिंगड़, सह सचिव अजय टाटिया, कोषाध्यक्ष धनराज चोरड़िया सहित कार्यकारिणी सदस्य के रूप में गणपतराज बाघमार, देवराज रांका, राजेश कुमार गादिया, दिलीप बोहरा, ज्ञानचंद खारीवाल, रोबिन बाबेल, धनपत सोलंकी, अशोक नाहर व दिनेश कवाड़ आदि को निर्विरोध चुने जाने की घोषणा हुई। सभा का संचालन सचिव सुनील हिंगड़ ने किया। धन्यवाद सह सचिव अजय टाटिया ने ज्ञापित किया।

बालाजी के दीवाने मण्डल का मासिक द्वितीय सुन्दरकांड पाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। यहां रायपुरम् के गणेशमंदिर में बालाजी के दीवाने मंडल के अध्यक्ष शिला शाह ने बताया कि पंडित सुनिल दाधीच द्वारा सुबह 11.30 बजे गणेश वन्दना एवं ज्योत के साथ संगीतमय सुन्दरकाण्ड प्रारंभ किया गया। सुन्दरकाण्ड पाठ मे की पदाधिकारी सरोज पित्ती, सुनिता शर्मा, भावना एवं काफी संख्या में महिलाओं सुन्दरकाण्ड पाठ का आनंद लिया। दोपहर महाआरती के साथ महाप्रसाद का वितरण किया गया।

'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान : स्वयंसेवकों का हुब्बली स्टेशन पर अभिनंदन किया

अमृत कलश यात्रा स्पेशल ट्रेन आज दिल्ली पहुंचेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। नई दिल्ली में 'मेरी माटी, मेरा देश' राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्वयंसेवकों की सुविधा के लिए 06507 एसएमवीटी बेंगलूरु-हजरत निज़ामुद्दीन अमृत कलश यात्रा स्पेशल ट्रेन 27 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे बेंगलूरु से रवाना हुई। विभिन्न क्षेत्रों की मिट्टी वाले 234 अमृत कलश लेकर स्वयंसेवकों की ट्रेन रात को 09:30 बजे एसएसएस हुब्बली स्टेशन पहुंची।

इस अवसर पर हुब्बली धारवाड़ सेंट्रल के विधायक महेश तेंगिनाकाई, हुब्बली-धारवाड़ नगर निगम की मेयर वीना बराडवाड, दपरे के अतिरिक्त महाप्रबंधक यू सुब्बाराव, हुब्बली मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे और अन्य लोगों ने एसएसएस हुब्बली स्टेशन पर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया और उनके साथ बातचीत की। अमृत कलश यात्रा स्पेशल ट्रेन 29 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

गौरतलब है कि 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान की परिकल्पना आज़ादी का अमृत महोत्सव के समापन कार्यक्रम के रूप में की गई है। इसमें उन 'वीरों' को श्रद्धांजलि देना शामिल है, जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। भारत सरकार के संस्कृति और युवा मामलों के मंत्रालय ने राज्य सरकार के साथ मिलकर इस अभियान का आयोजन किया है। देश के सभी हिस्सों से लाई गई मिट्टी का उपयोग नई दिल्ली में अमृत वाटिका नामक अनूठा उद्यान विकसित करने के लिए किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम 30 और 31 अक्टूबर को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 अक्टूबर को प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे।

नवकार महामंत्र के जाप से दुख और चिंता दूर होती है : साध्वी अनुज्ञाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी की शिष्या साध्वी ऋषिताश्रीजी ने श्रीपाल मैनासुंदरी के चरित्र के माध्यम से नवकार महामंत्र की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि नवकार महामंत्र के जाप से दुख और चिंता दूर होती है। कर्म शत्रु का नाश होता है। नवकार महामंत्र का स्मरण करने से पुण्यवानी बढ़ती है। ज्ञान और ध्यान की ज्योत जलती है। नवकार महामंत्र के द्वारा ही श्रीपाल का कोढ़ रोग समाप्त हो गया। जो जीव नवकार महामंत्र का मन से स्मरण करते हैं, एकाग्रता से जाप करते हैं वे भव से पार हो जाते हैं।

साध्वी अनुज्ञाश्रीजी ने नवपद आराधना के नवम दिवस पर तप का वर्णन करते हुए कहा कि जैसे राज्य की सुरक्षा के लिए सुरक्षा परकोटा होना जरूरी है वैसे ही आत्मा की सुरक्षा के लिए तप करना जरूरी है। बदन में दर्द हो तो गर्म थैली से सेक करते हैं वैसे ही तप रूपी थैली से सेक कर आत्मा पर लगी बीमारियों को दूर किया जा सकता है। तपसी च निर्जरा: तप से कर्मों की निर्जरा होती है। तप के द्वारा पुराने पाप नष्ट हो जाते हैं। तप में असीम शक्ति है। तप ज्योति है उस ज्योति से आत्मा शुद्ध हो जाती है। हमारे तीर्थंकरों ने हमें तप का पाठ पढ़ाया है। तप औषधि के समान है जो हमारी आत्मा को स्वस्थ कर देती हैं। तप का जैन धर्म में बहुत महत्व है। साध्वी प्रियंगीश्रीजी के उग्र तपस्या सुखसाता पूर्वक गतिमान है। नवकार महामंत्र जाप के लाभार्थी मनीषकुमार ढेलड़िया एवं संतोषचंद संचेती परिवार थे। सहमंत्री कल्याण श्रीश्रीमाल ने संघ की सूचनाएं प्रदान की।

तप साधना से साधक आत्मा को शुद्ध करता है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि नवपद ओली पर्व का महत्वपूर्ण पद अंतिम पद तप है। ये साधना पद है, जब-तक व्यक्ति अपने आपको त पाएगा नहीं, तपना- भजना ये जब तक जीवन में नहीं आएंगे तब तक इन्सान मुक्ति के मार्ग पर अपने कदम नहीं बढ़ा पाएगा। तप द्वारा व्यक्ति अपनी अन्तरात्मा को निर्मल और पवित्र करता है। भगवान तीर्थंकर कहते हैं कि तप साधना से साधक आत्मा को शुद्ध करता है। जैसे बर्तन को अगर शुद्ध करना है तो उसे तपाना भी पड़ता है मोजना भी पड़ता है और धोना भी पड़ता है और पोंछना भी पड़ता है-तब जाकर कहीं बर्तन साफ शुद्ध होता है। ऐसे ही किसी व्यक्ति को अपनी आत्मा को शुद्ध करना है, तो उसके लिए तपमार्ग भगवान ने दिया है। तप साधक शारिरीक बल से नहीं परंतु आत्मबल से करते हैं। संतश्री ने कहा कि जो तन मन को साथ नहीं पा रहा है वो आत्मा को क्या साधेगा। तप का मजाक उड़ाना। तप की बात करना आसान है किंतु तप करना बड़ा ही कठिन है। तप के लिए शरीरबल ही नहीं, मनबल जरूरी है। तप करना इसीलिए हरएक के बस की बात नहीं होती है।

जीवन में भोग पतन एवं त्याग उत्थान का कारण है : साध्वी भव्यगुणाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने नवपद ओली महापर्व के अंतिम नवमें दिन कहा कि जीवन में भोग पतन एवं त्याग उत्थान का कारण है। जीवन में सुख एवं दुःख आते-जाते रहते है। इंसान को दुःख में तो सब याद आते है लेकिन सुख में अपनों को भी भूल जाता है। ऐसे समय में श्रीपाल जैसे चरित्र से प्रेरणा लेनी चाहिए तो हर तरह का सुख-वैभव प्राप्त होने पर भी अपने दिए हुए वचन ओर अपनों को नहीं भूलता है ओर वचन पूरा करने के लिए सुख वैभव का त्याग कर घर लौट आता है। सिद्धचक्र महापूजन का लाभ कांतिलाल हुकमिचंद कांकरिया परिवार ने लिया। नेमीचंद वेदमुथा ने बताया कि रविवार को सुबह तपस्वियों का पारना होगा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.